राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और सांसद जया बच्चन के बीच बहस हो गई। जया बच्चन ने धनखड़ की 'टोन' पर आपत्ति जताई थी,जिसके बाद उपराष्ट्रपति ने इस आपत्ति पर कड़ा एतराज जताया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 98 दिनांक:10-08-2024 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मनीष सिसोदिया की जमानत के वक्त 'जमानत नियम है और जेल अपवाद' सिद्धांत का हवाला दिया। मनीष सिसोदिया 26 फरवरी 2023 से जेल में बंद थे।

राज्यसभा में जोरदार हंगामा, उपराष्ट्रपति और जया बच्चन के बीच हुई बहस, सपा सांसद ने कहा

आपकी टोन स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली(ईएमएस)। राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और सांसद जया बच्चन के बीच बहस हो गई। जया बच्चन ने धनखड़ की 'टोन' पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद उपराष्ट्रपति ने इस आपत्ति पर कड़ा एतराज जताया।

दरअसल, जया बच्चन ने कहा कि मैं एक कलाकार हूं, मैं बॉडी लैंग्वेज और भावों को समझती हूं। मुझे माफ करें, लेकिन आपका टोन स्वीकार्य नहीं है। हम सहकर्मी हैं।

धनखड़ ने कही ये बात

जया बच्चन के इतना बोलते ही उपराष्ट्रपति ने जया बच्चन को बैठने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आपने बहुत नाम कमाया है। एक अभिनेता निर्देशक का विषय होता है। आप वह नहीं देख पा रहे हैं जो मैं यहां से देख रहा हूं। आप भले ही एक सेलिब्रिटी हों, लेकिन आपको शिष्टाचार समझना होगा।

जया बच्चन और सभापति के बीच हुई इस बहस के बाद विपक्षी सांसदों से वॉकआउट कर दिया। इसके बाद जेपी नड्डा ने विपक्ष के आचरण को अनुचित बताया और निंदा प्रस्ताव पेश किया।

हम स्कूल के बच्चे नहीं

वॉकआउट के बाद जया बच्चन ने मीडिया से कहा कि कि मैंने सभापति के टोन पर आपत्ति जताई। हम स्कूल के बच्चे नहीं हैं। हम सब वरिष्ठ हैं, खासकर जब नेता विपक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) बोलने के लिए खड़े हुए उन्होंने माइक बंद कर दी। आप ऐसा कैसे कर सकते हैं? ये परंपरा के खिलाफ है। अगर आप उन्हें बोलने नहीं देंगे तो हम क्या करने आए हैं? वो हमेशा असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि आप सेलिब्रेटी होंगी मुझे फर्क नहीं पड़ता। ये महिलाओं का अपमान है। मुझे माफी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने जताई आपत्ति

विपक्ष द्वारा वॉकआउट करने के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह न केवल सभापति का अपमान है, यह देश के लोकतांत्रिक मूल्यों, लोकतंत्र और संविधान का भी अपमान है। गैर-जिम्मेदार विपक्ष देश को अराजकता की ओर धकेलने की कोशिश कर रहा है।

मनीष सिसोदिया 17 महीने बाद जेल से बाहर आए

-दिल्ली शराब नीति केस में बेल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शुक्रवार को 17 महीने बाद तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। आज दोपहर सुप्रीम कोर्ट नेउन्हें दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी दोनों केस में जमानत दी। जेल से बाहर आने के बाद सिसोदिया ने आप कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कहा कि संविधान की वजह से जमानत मिली। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद है। जल्द ही अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे।

सिसोदिया तिहाड़ से सीधे अरविंद केजरीवाल के घर गए। उनकी पत्नी सुनिता केजरीवाल और परिवार के लोगों से मिले। शनिवार को वे महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जा सकते हैं। सीबीआई ने भ्रष्टाचार केस में सिसोदिया को 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने 9 मार्च, 2023 में उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी, 2023 को मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा- केस में अब तक 400 से ज्यादा गवाह और हजारों दस्तावेज पेश किए जा चुके हैं। आने वाले दिनों में केस खत्म होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। ऐसे में सिसोदिया को हिरासत में रखना उनके स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

-चाय पार्टी में पीएम मोदी और राहुल गांधी एक-दूसरे का अभिवादन करते नजर आए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में मॉनसून सत्र के दौरान हुए कामकाज का लेखा-जोखा रखा। सत्र स्थगित होने के उपरांत रखी गई अनौपचारिक चाय पार्टी में प्रधानमंत्री मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक-दूसरे का अभिवादन करते नजर आए।

लोकसभा के मानसून सत्र की कार्रवाई शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। सदन स्थगित किए जाने से पहले स्पीकर ओम बिरला ने मॉनसून सत्र के दौरान किए गए कामकाज का लेखा-जोखा रखा। उन्होंने सदन में पारित किए गए विधेयकों के साथ ही निजी संकल्प पर हुई चर्चा का भी जिक्र किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने कहा, कि इस सत्र की प्रोडक्टिविटी 136 परसेंट रही है। सत्र स्थगित किए जाने के बाद ही एक अनौपचारिक चाय बैठक का इंतजाम किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी एक-दूसरे का अभिवादन किया और गर्मजोशी से नमस्कार करते दिखे। इस बीच राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से यूक्रेन की स्थिति के संबंध में पूछा, तो राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इस पर अपनी कड़ी नजरें बनाए हुए है। इस चाय पार्टी की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें पीएम मोदी, स्पीकर ओम बिरला, अमित शाह, राजनाथ सिंह, राहुल गांधी, किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल और चिराग पासवान आदि बैठे नजर आए हैं। गौरतलब है कि संसद के मॉनसून सत्र का 09 अगस्त शुक्रवार को 15वां दिन था। इसी दिन लोकसभा की कार्रवाई अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई।

'तिलक और 'बिंदी पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया? - मुस्लिम छात्रों के लिए 'ड्रेस कोड को लेकर उत्पन्न विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के प्राइवेट कॉलेज के सर्कुलर पर आंशिक रूप से रोक लगाते हुए कहा कि छात्राओं को यह चयन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वह क्या पहनें। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि शैक्षिक संस्थान छात्राओं पर अपनी पसंद को नहीं थोप सकते। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने 'एनजी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज चलाने वाली 'चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक उससे जवाब तलब किया है। पीठ ने मुस्लिम छात्रों के लिए 'ड्रेस कोड को लेकर उत्पन्न नये विवाद के केंद्र में आए कॉलेज प्रशासन से कहा, ''छात्राओं को यह चयन करने की आजादी होनी चाहिए कि वे क्या पहनें और कॉलेज उन पर दबाव नहीं डाल सकता।।। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपको अचानक पता चलता है कि देश में कई धर्म हैं।

पीठ ने कहा कि अगर कॉलेज का इरादा छात्राओं की धार्मिक आस्था के प्रदर्शन पर रोक लगाना था, तो उसने 'तिलक और 'बिंदी पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया? न्यायालय ने एजुकेशनल सोसायटी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील माधवी दीवान से पूछा कि क्या छात्रों के नाम से उनकी धार्मिक पहचान उजागर नहीं होती? हालांकि, पीठ ने कहा कि छात्राओं को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जा सकती और न ही परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति दी जा सकती है। पीठ ने कहा कि उसके अंतरिम आदेश का किसी के द्वारा दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए और किसी भी दुरुपयोग के मामले में 'एजुकेशनल सोसायटी और कॉलेज को अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी।

एक साल बाद खुले भगवान नाग चंद्रेश्वर के पट, भक्तों की लगी भीड़

उज्जैन,(ईएमएस)। सावन के महीने में नागपंचमी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर में स्थित भगवान नागचंद्रेश्वर के पट परंपरा के मुताबिक रात 12 बजे खोले गए। मंदिर में रात से बराबर श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। दर्शन का यह सिलसिला 24 घंटे तक चलता रहेगा। नागचंद्रेश्वर के साथ ही बाबा महाकाल के दर्शन करने भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

बाबा महाकाल के दरबार में नाग पंचमी पर्व पर नागचंद्रेश्वर भगवान के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। 12 साल में एक बार रात को नागचंद्रेश्वर के पट पूजन के बाद खोले गए। भगवान नागचंद्रेश्वर का जल दूध दही घी से पंचामृत अभिषेक किया गया जिसके बाद श्रद्धालुओं ने दर्शन करना शुरू किए। शाम को पंडित पुजारियों द्वारा पूजन पाठ किया जाएगा देर रात 12 बजे मंदिर का पट फिर से बंद कर दिया जाएगा जो एक साल बाद खुलेगा।

महाकालेश्वर मंदिर में नागपंचमी पर भगवान नागचंद्रेश्वर के दर्शन की महत्ता है। यहां महाकाल मंदिर के शीर्ष पर भगवान नागचंद्रेश्वर का प्राचीन मंदिर है। इस मंदिर में नाग पर विराजे शिव-पार्वती की दुर्लब मूर्ति है। मान्यता है कि मंदिर में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन और पूजन से शिव-पार्वती प्रसन्न होते हैं साथ ही सर्प भय से भी मुक्ति मिलती है। नागपंचमी पर नाग को दूध पिलाने की भी परंपरा है इसलिए श्रद्धालु यहां नाग की प्रतिमा पर दूध चढाते हैं। उज्जैन का नागचंद्रेश्वर मन्दिर में स्थित मूर्ति 11वीं शताब्दी के परमार काल की हैं। नागचंद्रेश्वर मंदिर में स्थापित प्रतिमा में शेषनाग की सैय्या पर भगवान शिव और पार्वती के साथ भगवान गणेश और कार्तिक भी विराजित है। बताया जाता है की यह प्रतिमा नेपाल से लाई गई थी। भगवान महाकाल के दरबार में स्थित नागचंद्रेश्वर का मंदिर साल में केवल एक बार ही खुलता है।

प्रयागराज में लगातार बढ़ रहा गंगा और यमुना का जलस्तर

प्रयागराज (ईएमएस)। प्रयागराज में गंगा और यमुना दोनों नदियों का जलस्तर बीते चार-पांच दिनों से लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटे में गंगा नदी का फाफामऊ में जलस्तर 271 सेंटीमीटर और छतनाग में 65 सेंटीमीटर बढ़ा है, जबकि यमुना नदी का नैनी में जलस्तर 46 सेंटीमीटर बढ़ा है। कंट्रोल रूम से गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। शहरी और ग्रामीण इलाकों में बाढ़ से हजारों लोगों के घिरने के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने मोर्चा संभाल लिया है।

बाढ़ का पानी अब झूंसी इलाके के बदरा सोनौटी सहित कई गांवों में प्रवेश कर गया है।

बारिश की वजह से प्रदेश भर में सात मौतें

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई। राज्य के नौ जिले अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। बयान के मुताबिक, बलिया, फर्रुखाबाद, सीतापुर, बिजनौर, वाराणसी, बांदा, बुलंदशहर, प्रयागराज और बाराबंकी अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। बिजली गिरने, डूबने, आग लगने और सांप के काटने से प्रतापगढ़ में तीन और श्रावस्ती में दो लोगों की मौत हुई, जबकि गाजियाबाद और चित्रकूट में से एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। पिछले 24 घंटे में गंगा नदी का फाफामऊ में जलस्तर 271 सेंटीमीटर और छतनाग में 65 सेंटीमीटर बढ़ा है,

वक्फ बिल के लिए जेपीसी का गठन

-31 सदस्यों वाली जेपीसी में 21 सदस्य लोकसभा और 10 सदस्य राज्यसभा से

नई दिल्ली(ईएमएस)। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने एक दिन पहले लोकसभा में वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध करते हुए इसे मुस्लिम विरोधी बताया था। विपक्ष की आपत्ति और भारी विरोध के बीच ये बिल लोकसभा में बिना किसी चर्चा के संयुक्त संसदीय कमेटी (जेपीसी) को भेज दिया गया था।

स्पीकर ओम बिरला ने कहा था कि जल्द ही इसे लेकर जेपीसी बनाएंगे। अब इसे लेकर जेपीसी के 21 सदस्यों के नाम सामने आ गए हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में जेपीसी के 21 सदस्यों के नाम बताए। किरेन रिजिजू ने कहा कि 31 सदस्यों वाली इस जेपीसी में 21 सदस्य लोकसभा और 10 सदस्य राज्यसभा से होंगे। किरेन रिजिजू ने कहा कि जेपीसी वक्फ बिल पर अगले सत्र के पहले हफ्ते के अंतिम दिन अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उन्होंने जेपीसी में लोकसभा के जिन 21 सदस्यों को शामिल करने का प्रस्ताव है, वह नाम भी बताए। नाम सामने आने के बाद कांग्रेस सांसद के सुरेश ने एनके प्रेमचंद्रन को भी जेपीसी में शामिल करने की मांग की।

वक्फ बिल पर लोकसभा से जेपीसी में होंगे ये सदस्य

जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय, श्रीमती डीके अरोड़ा, गौरव गोगोई, इमरान मसूद, मोहम्मद जावेद, मौलाना मोहिबुल्ला, कल्याण बनर्जी, ए राजा, एलएस देवरायुलु, दिनेश्वर कामायत, अरविंत सावंत, सुरेश गोपीनाथ, नरेश गणपत मास्के, अरुण भारती और असदुद्दीन ओवैसी शामिल हैं।

चंद्रशेखर आजाद ने लोकसभा में उत्तरप्रदेश को चार हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली (ईएमएस)। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने शुक्रवार को लोकसभा में बहस के दौरान उत्तरप्रदेश को चार हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव रखा है, जिससे हर इलाके का सही तरीके से विकास हो सके। हालांकि भाजपा और समाजवादी पार्टी को उनकी यह मांग पसंद नहीं आई है।

चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर प्रदेश के बंटवारे को लेकर कहा कि यह प्रदेश का बंटवारा नहीं बल्कि इससे विकास के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बहुत बड़ा राज्य है, इसे एक राष्ट्र कह सकते हैं। 25 करोड़ से ज्यादा की आबादी है। मेरा यह प्रयास है कि उत्तर प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचो। बाबासाहेब भी यही कहते थे कि राज्य जितना छोटा होगा, उसका उतना ही उसका विकास होगा, उतना ही लोगों को रोजगार मिलेगा।

चंद्रशेखर ने एक समाचार चैनल को बताया कि आज भी हमारे लोगों को हाईकोर्ट के लिए करीब 500 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। आज विकास का लाभ हर जगह नहीं पहुंच पा रहा है। अधिकारी भी हर जगह नहीं जा पाते हैं। हालांकि चंद्रशेखर की इस मांग का बीजेपी और समाजवादी पार्टी विरोध कर रही है, लेकिन चंद्रशेखर का कहना है कि मैं जनता के लिए काम करता हूं। दूसरी पार्टियां क्या कहती हैं और क्या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है।

रेलवे पेपर लीक मामले में सीबीआई ने 11 ठिकानों पर की छापेमारी

50-60 अभ्यर्थियों को पहले दिया गया था पेपर

लखनऊ (ईएमएस)। प्रयागराज रेलवे भर्ती बोर्ड की डीजीसीई (जनरल डिपार्टमेंट कंपटीटिव एग्जाम) का पेपर लीक मामले में सीबीआई ने राजस्थान और यूपी में 11 ठिकानों पर छापा मारा है। सीबीआई की टीमों ने प्रयागराज, नोएडा, अलीगढ़, मथुरा, चित्रकूट व राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, करौली, अलवर, सवाई माधोपुर में क साथ छापा मारकर दस्तावेज बरामद किए हैं।

रेलवे बोर्ड के उपनिदेशक विजिलेंस अनिल कुमार मीना की शिकायत पर सीबीआई लखनऊ, की एंटी करप्शन ब्रांच ने परीक्षा देने वाले और पेपर लीक कराने के बदले पैसा लेने वाले 11 रेलकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, परीक्षा कराने वाली एजेंसी अपटेक लि. को भी आरोपी बनाया गया है। रेलवे ने शिकायत में अपनी विजिलेंस जांच रिपोर्ट का हवाला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज के रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा 6 अगस्त 2021 को आयोजित डीजीसीई परीक्षा का पेपर लीक करके 50-60 अभ्यर्थियों को पढ़वाया गया था।

सीबीआई केस में नामजद आरोपी

ट्रैक मेंटेनर राजस्थान के भरतपुर के भूप सिंह, वेगराज, महावीर सिंह व प्रीतम सिंह, अलवर का जितेंद्र कुमार मीना, सवाई माधोपुर का प्रमोद कुमार मीना, टोंक का हंसराज मीना, अलीगढ़ का धर्म देव, करौली का प्रशांत कुमार मीना, जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य अभियंता कार्यालय का कार्यालय अधीक्षक मान सिंह के अलावा नोएडा का पार्सल पोर्टर मोहित भाटी शामिल है।

वक्फ बोर्ड में पहले से ही हैं दो महिलाएं फिर संशोधन की बात क्यों?

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सदन में वक्फ बिल लोकसभा में पेश हुआ और इस पर जोरदार बहस भी हुई। इसके बाद जो हुआ उसका सार गालिब के इस शेर में है-थी ख़बर गर्म कि ग़ालिब के उड़ेंगे पुर्जे, देखने हम भी गए थे पर तमाशा न हुआ। ऐसा माना जा रहा था वक्फ बिल का विपक्ष विरोध करेगा इसके पेश होते ही विपक्ष ने हंगामा किया। सपा सांसद ने तो खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि सरकार ने इसमें बदलाव किया तो लोग सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर हो जाएंगे। इन सब के बीच मोदी सरकार ने इस बिल को जेपीसी कमेटी के पास भेज दिया। अब जेपीसी में सभी पक्ष अपनी राय रख सकेंगे।

सरकार के इस वक्फ बिल में 40 बदलाव प्रस्तावित हैं। मसलन महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात कही जा रही है। सेक्शन 9 और 14 में बदलाव करके वक्फ परिषद में दो महिलाओं को भी शामिल करने का प्रस्ताव है। ऐसा कहा जा रहा है इसमें एक भी महिला नहीं होती थी। इस बाबत दिल्ली वक्फ बोर्ड के पूर्व सदस्य और दिल्ली बॉर काउंसिल के को-चेयरमैन एडवोकेट हमील अख्तर ने बताया कि वक्फ बोर्ड में पहले से ही दो महिला सदस्य रहती हैं। उन्होंने भंग होने पहले के वक्फ सदस्यों का उदाहरण देते हुए बताया कि दिल्ली में सात सदस्यी ईकाई में दो महिला सदस्य हैं नईम फातिमा काज़मी और रजिया सुल्ताना थी। यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को लेकर भी उन्होंने सबिहा अहमद, तबस्सुम खान के रूप में दो महिला सदस्यों के नाम का जिक्र भी किया।

मोदी सरकार ने तीसरे टर्म के अपने पहले बिल को सीधे सदन में पास कराने के बजाय चर्चा और मशविरे के लिए संसद की कमिटी के पास भेजने की विपक्ष की मांग मान ली। इसे लोकसभा की स्थायी समिति के पास भेजने की बजाय संसद की जेपीसी के सामने भेजने पर सहमति बनी। इसके पीछे कुछ वजह है। लोकसभा में अभी स्थायी समिति नहीं बनी है। कई बार स्थायी समिति के अध्यक्ष विपक्षी दल के सीनियर नेता होते हैं। जेपीसी अध्यक्ष ज्यादातर सत्ता में काबिज दल का होता है, हालांकि उसमें सभी दलों की भागीदारी होती है। लेकिन सत्तारूढ़ दल के सदस्य ज्यादा होंगे।

न्यायालय में क्षेत्रीय भाषाओं का इस्तेमाल अभी नहीं....हिंदी का हो रहा प्रयोग

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने कहा है कि न्यायालय में क्षेत्रीय भाषाओं के इस्तेमाल को लेकर कैबिनेट को प्रस्ताव मिले थे, लेकिन उन्हें मुख्य न्यायाधीश ने स्वीकार नहीं किया, इसकारण वर्तमान में हिंदी के अलावा अन्य भारतीय भाषाओं का न्यायालय में इस्तेमाल नहीं हो रहा है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि किसी भी राज्य में वहां की राज्यपाल की सिफारिश पर राष्ट्रपति की सहमति से स्थानीय भाषा का इस्तेमाल हो सकता है। इस क्रम में हिंदी का प्रयोग अधिकृत किया हुआ है और सभी राज्यों में इसका प्रयोग हो सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र के बाद तमिलनाडु, गुजरात, बांग्ला तमिल तथा छत्तीसगढ़ी में वहां की भाषाओं के न्यायालय में स्थानीय भाषाओं के इस्तेमाल लेकर को प्रस्ताव कैबिनेट को प्राप्त हुए थे लेकिन सीजेआई ने स्वीकार नहीं किया था। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि न्यायिक स्वतंत्रता को ध्यान में रखते हुए तकनीकी माध्यम से न्यायालय की फसलों की स्थानीय भाषाओं में अनुवादित किया जा रहा है। उत्तम न्यायालय के फैसले के लिए हिंदी, तमिल, मराठी, गुजरायी आदि भाषाओं में एप उपलब्ध कराया गया है।

मोस्ट वांटेड आतंकी रिजवान अली गिरफ्तार

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएसआईएस मॉडयूल के आतंकवादी रिजवान अली को गिरफ्तार किया है। एनआईए ने आतंकी पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। रिजवान दिल्ली के दरियागंज का रहने वाला है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बताया कि आईएसआईएस मॉडयूल के आतंकवादी रिजवान अली को गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने उस पर 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। रिजवान दिल्ली के दरियागंज का रहने वाला है। एनआईए ने अन्य फरार आतंकियों की तस्वीरें भी जारी की है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार.....केंद्रीय मंत्री शाह ने गठित की कमेटी

-कंटीले तारों के उस पार.......हजारों की तादाद में बांग्लादेशी हिंदू

कूचबिहार (ईएमएस)। बांग्लादेश में वर्तमान में उथल-पुथल मची हुई है। प्रदर्शनकारी वहां हिंदुओं को टारगेट कर रहे हैं। इसके बाद बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू भारत-बांग्लादेश सीमा पर कूचबिहार जिले के कंटीले तारों के दूसरी ओर एकत्र हो गए हैं। हालात को देखकर इलाके में बीएसएफ की 157 बटालियन के जवानों को तैनात किया है।

बता दें कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू कंटीले तारों से करीब 400 मीटर दूर गैबंडा जिले के गेंडुगुरी और दैखवा गांवों में जुटे हुए हैं। शुक्रवार सुबह से ही ये लोग खड़े हुए हैं। दूसरी ओर कूचबिहार में कंटीले तारों के पास शीतलकुची के पठानटुली गांव में पर्याप्त संख्या में बीएसएफ के जवान तैनात हैं और लगातार गश्त की जा रही है।

वहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बांग्लादेश में चल रही स्थिति के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ कम्युनिकेशन चैनल बनाए रखेगी, ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करने वाले है। समिति के अन्य सदस्यों में महानिरीक्षक (आईजी), बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय दक्षिण बंगाल, महानिरीक्षक (आईजी), बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय त्रिपुरा, सदस्य (योजना और विकास), भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण (एलपीएआई), और, सचिव, एलपीएआई, शामिल हैं।

इसके पहले जलपाईगुड़ी में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर 1 हजार से ज्यादा बांग्लादेशी हिंदू पहुंच गए थे। वे बॉर्डर पार कर भारत आना चाहते हैं। भारत में इनके घुसपैठ के प्रयास को बीएसएफ ने रोक रखा है। बीएसएफ ने उन्हें सतकुरा सीमा पर रोक लिया है। यह घटना जलपाईगुड़ी जिले के बेरूबारी पंचायत की है।

घटना के बाद से बीएसएफ ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। इलाके में बीएसएफ जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। हालांकि भारतीय क्षेत्र में स्थानीय ग्रामीण हिंदू बांग्लादेशियों का स्वागत करने को तैयार हैं। एकत्रित बांग्लादेशी हमारे देश में प्रवेश करने के लिए आतुर हैं। बताया जा रहा है कि सीमा के उस पार से आई हिंदू बांग्लादेशियों की भीड़ का आरोप है कि उनके घर-मंदिर जलाए जा रहे हैं। वे भारत में शरण लेने आए हैं। वहीं इस पार भारतीय लोग भीड़ से सशंकित हैं। इनका कहना है कि अगर ये लोग भारत में आए तब खाने के लाले पड़ जाएंगे। हालांकि बीएसएफ ने बांग्लादेशी हिंदुओं को समझाने का प्रयास किया है कि उन्हें ऐसा करने नहीं दिया जा सकता।

म्युचुअल फंड और शेयर बाजार के नए निवेशक सावधान रहें

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले कई वर्षों से शेयर बाजार बेलगाम घोड़े की तरह दौड़ रहा है। म्युचुअल फंड के माध्यम से बड़ी तेजी के साथ शेयर बाजार में निवेश बढ़ा है। छोटे निवेशकों ने 16 करोड़ डीमैट खाता खोल रखे हैं। इसमें छोटे-छोटे निवेशक निवेश कर रहे हैं।

म्युचुअल फंड के माध्यम से हर महीने शेयर बाजार में 21000 करोड रुपए निवेश किया जा रहे हैं। शेयर बाजार में म्युचुअल फंड की भागीदारी बढ़ने से बाजार तेजी के साथ भाग रहा था। विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से मुनाफा वसूली करके बाहर निकल रहे हैं। उससे ज्यादा निवेश, छोटे निवेशक कर रहे हैं।

जिस तरह से विश्व के शेयर बाजारों में आर्थिक मंदी का असर दिखने लगा है। भारत के शेयर बाजार भी तेजी के साथ गिरे हैं। आने वाले दिनों में मुनाफा वसूली और बाजार से निकलने की कोशिश में बाजार में तेजी के साथ गिरावट आएगी। नए निवेशकों के लिए बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। म्युचुअल फंड तथा छोटे निवेशकों द्वारा,जो शेयर बाजार में सीधे निवेश करते हैं। उनके लिए यह समय बहुत सोच समझकर निवेश करने का है। नए निवेशकों ने अभी बाजार का केवल एक ही चेहरा तेजी का देखा है। शेयर बाजार जब गोता लगाता है। तो किस स्तर तक नीचे जाता है। इसका एहसास छोटे निवेशकों को नहीं है। अत: छोटे और नए निवेशक शेयर बाजार में सावधानी के साथ निवेश करें।

ईडी, सीबीआई और विरोधियों के चक्रव्यूह में फंसते दिख रहे लालू के लाल तेजस्वी

-रही सही कसर प्रशांत किशारे ने पूरी कर दी

पटना (ईएमएस)। आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव चक्रव्यूह में फंसते जा रहे हैं। लैंड फॉर जॉब स्कैम में दाखिल सीबीआई की पूरक चार्जशीट तेजस्वी के गले की फांस बन गई है। तेजस्वी 17 अगस्त से बिहार के जिलों के दौरे पर निकलने की घोषणा कर चुके हैं। इसकी तैयारियां भी आरजेडी कर रही हैं। दरअसल आरजेडी की चिंता लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद बढ़ गई है। मजबूत गठबंधन और आरजेडी के बड़े जनाधार के बावजूद 23 में सिर्फ चार सीटों पर ही जीत से चिंता स्वाभाविक है। आरजेडी की चिंता जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भी बढ़ा दी है। दरअसल पीके के निशाने पर सबसे अधिक लालू के लाल तेजस्वी ही दिख रहे हैं। उनकी रणनीति जो अब तक सामने आई है, उससे आरजेडी के आधार वोट बैंक में बिखराव के खतरे बढ़ गए हैं। जेडीयू और भाजपा आरजेडी के पुराने दुश्मन ही रहे हैं।

जमीन के बदले नौकरी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जो पूरक चार्जशीट दाखिल की है, उसमें तेजस्वी का भी नाम है। ईडी ने उन पर मनी लांड्रिंग का मामला कायम किया है। चार्जशीट में तेजस्वी यादव के अलावा उनके पिता लालू प्रसाद यादव सहित 11 लोगों आरोपी बनाए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी। तेजस्वी अपने परिवार के खिलाफ केंद्रीय एजेंसी की रूटीन कार्रवाई बता रहे हैं, लेकिन तेजस्वी को मामले में गिरफ्तारी का भय भी सता रहा है। इस मामले की दो केंद्रीय एजेंसियां-सीबीआई और ईडी जांच कर रही है।

वहीं जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार की सियासत में जिस तरह का भूचाल ला दिया है, उसकी आहट अब स्पष्ट सभी राजनीतिक दल महसूस कर रहे हैं। इसमें सबसे अधिक चिंता आरजेडी कैंप में ही है। इसके पीछे वजह पीके के निशाने पर हमेशा ही तेजस्वी ही रहते हैं। तेजस्वी की योग्यता और उनके परिवार के शासन काल की नाकामियों को लेकर प्रशांत किशोर लोगों को न सिर्फ जागरूक करते रहे हैं, बल्कि आरजेडी के आधार वोट में सेंध लगाने का पुख्ता इंतजाम कर चुके हैं। आरजेडी मुसलमानों को अपना आधार वोट मानता है। आरजेडी के एम-वाई समीकरण का एक घटक मुसलमान ही हैं। प्रशांत ने मुसलमानों को अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में 75 सीटें देने का ऐलान कर आरजेडी नेताओं की नींद उड़ा दी है। इतना ही नहीं, प्रशांत किशोर से जन सुराज से जिस तरह आरजेडी के नेता जुड़ने लगे हैं, वह भी पार्टी के लिए चिंता का विषय है।

एनडीए में शामिल भाजपा, जेडीयू, लोजपा, हम (से) और आरएलएम के नेता पहले से तेजस्वी के विरोध में हैं। भाजपा क नेता यहां तक कहने लगे हैं कि सीबीआई और ईडी से तेजस्वी का बचना मुश्किल है। उनका जेल जाना तय है। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह के हमले तेजस्वी और उनके परिवार के खिलाफ किए, इससे साफ हैं कि जेडीयू तेजस्वी के प्रति किसी तरह की नरमी के मूड में नहीं है। तेजस्वी और उनके पिता लालू को अब भी उम्मीद है कि नीतीश कुमार विपक्षी इंडिया ब्लॉक के साथ आ जाएंगे। लेकिन मौजूदा स्थिति में यह संभव नहीं दिखता, क्योंकि भाजपा ने अगला चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ने का ऐलान कर उनके मन की मुराद पूरी कर दी है। संसद में भी जेडीयू और भाजपा की युगलबंदी देखकर आरजेडी को जरूर निराशा हुई होगी।

जन हितैषी

गिरफ्तारी और अदालती चक्रव्यूह से जनता को राहत जरूरी, न्याय के नाम पर अन्याय नहीं

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 17 महीने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। 100 करोड रुपए के शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में है। उन्हें ट्रायल कोर्ट से ईड़ी मामले में जमानत मिल चुकी है। ईड़ी के अधिकारी बिना आदेश के हाईकोर्ट पहुंच गए। वहां से ट्रायल कोर्ट के आदेश पर स्थगन प्राप्त कर लिया। इसके बाद से वह जेल में बंद है। जैसे ही सरकार को लगा, सुप्रीमकोर्ट के आदेश से अरविंद केजरीवाल जेल से रिहा हो सकते हैं, उनकी रिहाई के पहले सीबीआई ने जेल से उनकी गिरफ्तारी कर ली। हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने गलत मानते हुए निरस्त कर अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी। उसके बाद भी अरविंद केजरीवाल जेल में बंद है। न्याय के नाम पर अन्याय का जो खेल खेला जा रहा है। लोकतांत्रिक देशों में सरकारों द्वारा अपने विपक्षियों को दबाने के लिए कानूनी व्यवस्था का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से विपक्षियों को राजनीति से दूर करने के लिए कानून के मकड़जाल में उलझाकर, अदालती चक्रव्यूह में फंसा दिया जाता है। कई महीनों और वर्षों तक गिरफ्तारी करके सत्ता से दूर रखा जाता है। सत्ता को चुनौती देने पर विपक्षियों पर न्याय के नाम पर अन्याय किया जा रहा है। अब इसके भीषण परिणाम देखने को मिलने लगे हैं। भारत के संविधान में जमानत को अधिकार माना गया है। अंग्रेजों के कानून में भी जमानत को अधिकार माना गया था। 90 दिन के अंदर यदि जांच एजेंसी ट्रायल शुरू नहीं करती थी, तो जमानत देने का अधिकार ट्रायल कोर्ट के पास था। जमानत लेने का अधिकार आरोपी का है। पिछले वर्षों में जो कानून बनाए गए हैं, उसमें आपातकाल से भी ज्यादा खराब प्रावधान कर दिए गए हैं। जिसके कारण नागरिकों की स्वतंत्रता और उनके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। घोषित आपातकाल 18 महीने में खत्म हो गया था। कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए इसे कुछ समय के लिए लागू किया गया था। जैसे ही आपातकाल समाप्त हुआ, सभी को जेल से रिहा कर दिया गया था। विपक्षी दलों ने भी चुनाव में भाग लिया था। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थी। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी सरकार बनी। अघोषित आपातकाल में अब राजनीतिक दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में कई महीनो और वर्षों तक जेलों में रखा जा रहा है। जांच एजेंसियां वर्षों तक जांच करती रहती हैं। 90 दिन के बाद ट्रायल भी शुरू नहीं होता है। जब बड़े-बड़े नेताओं को इस तरह से जेल भेजा जा रहा है। इसका असर अब देखने को मिल रहा है। जांच एजेंसियां जिनमे ईड़ी, सीबीआई और पुलिस, निरपराध लोगों के ऊपर गलत मामले बनाकर जेल भेज देती है। जेल भेजने की धमकी देकर कारोबारियों और आम जनता से वसूली का नया ट्रेंड भारत में शुरू हो गया है। ईड़ी, नारकोटिक्स, पुलिस और सीबीआई के कई अधिकारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं। सरकार स्वयं जब जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, तब जांच एजेंसी भी निजी स्वार्थ के लिये अधिकारों का दुरूपयोग कर रही हैं। अब तो अदालतों के ऊपर भी रिश्वत के आरोप लगने लगे हैं। न्यायपालिका में भी यह बीमारी तेजी के साथ फैल गई है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अब हाईकोर्ट के जज चुनौती देते हुए नजर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसले के बाद ट्रायल कोर्ट और जांच एजेंसियों की मिली भगत से जमानत होने के बाद भी आरोपियों को अन्य मामलों में जेल में रखने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। न्यायपालिका में अनुशासनहीनता फैल चुकी है। जिस संविधान के नाम से सभी शपथ लेते हैं। उस संविधान की हत्या का दिवस सरकार 25 जून को घोषित करती है। ऐसी स्थिति में संविधान का चीर-हरण होना तय है। यह होता हुआ दिख भी रहा है। जिस न्यायपालिका को संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। वह आंख बंद करके सरकार के पक्ष में काम करती हुई नजर आ रही है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों की सुनवाई कहां और कैसे होगी। यह चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में बांग्लादेश में तख्ता पलट हुआ है। बांग्लादेश में भी लगभग वही स्थिति बन गई थी, जो आज भारत में है। सभी विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया था। बिना विपक्ष के चुनाव कराया गया था। विपक्ष को लंबे समय से जेल में बंद रखा गया। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर जाना पड़ा था। अब वह बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। विपक्षी दलों के नेताओं को जेल से रिहा किया गया है। बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थापना के प्रयास शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान की हालत भी इससे इतर नहीं है। श्रीलंका में भी यही सब हुआ था। जब जब सरकारों में भ्रष्टाचार बढ़ता है। सत्ता में बैठे हुए लोग जब अहंकारी हो जाते हैं, तब यही स्थिति बनती है। कोई भी निरंकुश, अहंकारी, भ्रष्टाचारी शासन व्यवस्था लंबे समय तक चलने का कोई इतिहास नहीं है। जो भी तानाशाह बनता है, उसे जनता लोकप्रियता और अच्छे कामों के लिए सत्ता सौंपती है। सत्ता में लंबे समय तक रहने के कारण उसके आचरण में अहंकार और भ्रष्टाचार दोनों बढ़ने लगते हैं। तानाशाहों के अंत का कारण भी उनका अहंकार होता हैं। बांग्लादेश, श्रीलंका में यही हुआ है। भारत की जनता को यदि भ्रष्टाचार, अदालती चक्रव्यूह, गिरफ्तारियों, जमानत के कानून में राहत नहीं मिली, तो संविधान एवं लोकतंत्र को सुरक्षित रख पाना संभव नहीं होगा। सत्ता पक्ष ने 25 जून को संविधान का हत्या दिवस घोषित कर दिया है। इसका एक ही मतलब निकलता है, अब भारत में संविधान नामक कोई चीज नहीं है। इसका असर अब दिखने लगा है। जिनके पास अधिकार हैं, वह उसका दुरुपयोग अपने निजी हितों के लिए कर रहे हैं। जनता विरोध करने सड़कों पर उतरने लगी है।

कहाँ खड़े हैं तथाकथित अन्नदाता ?

समझने लायक कुछ तथ्य जिन पर हमे गौर करना होगा, जिनकी जानकारी होने से हम भली भांति समझ सकेंगे की आज हम किसानों की स्थिति मे दिन प्रति दिन इतना ह्रास क्यो हो रहा है ? ... आजादी के समय हम किसानों की आबादी 75ℨ थी अब रह गई 60ℨ।

वर्तमान मे देश मे कुल किसानों की संख्या है 72 करोड़। इस वर्ष 2024 मे देश के कुल बजट की राशि है 48.21 लाख करोड़ रुपये।

कुल बजट मे कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के लिए इस वर्ष प्रावधान किया गया है 1.52 लाख करोड़ रुपये का। यानी हम 60ℨ की आबादी के लिए देश के कुल बजट मे प्रावधान है केवल .. 3.15 प्रतिशत। विगत वर्ष की तुलना मे बृद्धि केवल 0.4 प्रतिशत। इस वर्ष मे हमारी कृषि की लागत मे बृद्धि 10 ℨ से अधिक। कृषि की विकास दर विगत वर्षो मे घटते घटते 4.6 प्रतिशत से घट कर अब इस वर्ष रह गई केवल 1.8 प्रतिशत। कृषि शोध तीव्रता (ए आर आई) एवं कृषि जी डी पी का अनुपात विगत वर्षो मे 0.75 प्रतिशत से घटकर इस वर्ष रह गया 0.43 प्रतिशत। यदि हम केवल कृषि की बात करें (इससे सम्बद्ध क्षेत्र को छोड़ दें) तो 2021 मे कुल बजट मे प्रावधान था 4.47 प्रतिशत। पिछले वर्षों में और कम हुआ और कम होते होते अब इस वर्ष 2024 मे हो गया 2.48 प्रतिशत। यानी लगभग आधा !!..

हमारी खेती की लागत मे लगातार बृद्धि 10 से 15 प्रतिशत से अधिक की...

शासकीय एजेंसी एन एस एस ओ की रिपोर्ट के अनुसार किसान की प्रति दिन की आय केवल 27/- प्रति दिन है। विगत 5 सालों मे इसमे कोई बृद्धि नही हुई।.. बल्कि कई राज्यों मे घटी है। कृषि की स्टेंडिंग कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार किसान की आय दुगनी होने की बजाय कई राज्यों मे उल्टा कम हुई है।...

पिछले 5 वर्षो मे सरकार ने बजट के प्रवधान का लगभग एक लाख करोड़ रुपये सरेंडर किये,यानी वह खर्च नही कर पाई।..

यानी कृषि के लिए कुल आबंटित बजट मे से मैंदान मे कितना खर्च हुआ हुआ यह अंदाज लगाना कठिन नही है, वह है लगभग 60 प्रतिशत। विडंबना है हमारी 30 से 40 प्रतिशत राशि लेप्स हो गई , हमारी सरकारें खर्च नहीं कर पाईं।

इसे एक उदाहरण से समझने का प्रयास करें...

सोर ऊर्जा की महत्वाकान्क्षी पी एम कुसुम योजना मे देश मे 10 लाख किसानों के यहाँ कृषि पम्प लगाने का प्रावधान था, जिसमे कुल स्वीकृत हुए 1,61,640 सोलर पम्प और लगाए गये केवल एक चौथाई किसानों के यहां।..

एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर (कृषि संसाधन) के लिए विगत पांच वर्षो के लिए प्रावधान किया गया था एक लाख करोड़ खर्च करने का, उसमे से पांच सालों मे योजनाएं बनी केवल 35 हजार करोड़ रुपये खर्च की, परन्तु जारी हुए केवल 25 हजार करोड़ रुपये, यानी 10,00 करोड़ रुपये लेप्स।

इसी तरह हमारे बजट के प्रावधानो के बावजूद भी हमारे ऊपर खर्च कितने हुए अंदाज लगाया जा सकता है

इस वर्ष किसमे कितनी कटौती (कुछ बिंदु केवल उदाहरण के लिए समझें...

पी एम मान धन योजना के लिए विगत वर्ष प्रावधान था 138 करोड़ का, अब रह गया 100 करोड़।

हमारे देश के यूरिया मे इस वर्ष 2000 करोड़ की कटौती।

आयातीत यूरिया के लिए विगत वर्ष प्रावधान था 30 हजार करोड का , अब रह गया 22 हजार करोड़। इसमे भी 8 हजार करोड़ की कटौती।

हमारे देश मे निर्मित अन्य खादों के लिए पिछले वर्ष बजट था 32,370 करोड़, अब इस वर्ष रह गया 26,500 करोड़। 5870 की कटौती।

विदेशो से आयतित अन्य खादों के लिए भी इस वर्ष आवंटन मे 9430 करोड़ की कटौती की गई है।

फ़र्टिलाइजर की दी जाने वाली सब्सिडी मे इस वर्ष कटौती.. 25,711 करोड़।

पी एम फसल बीमा योजना मे इस वर्ष 400 करोड़ की कटौती कर दी गई। ..

पी एम फसल योजना मे सरकार ने जो प्रेमियम इकट्ठा किया, उसका किसानों मे बाँटा केवल आधा।

बीमा कंपनियों को विगत वर्षो मे फायदा..63,648 करोड़ का।

ग्रामीण मजदूरों के लिए मनरेगा के बजट मे भी कटौती।

कृषि शोध पर राशि मे भी कटौती, जबकी कृषि अर्थ शास्त्री मानते है की कृषि शोध पर एक रुपये खर्च करने पर 10 रुपये से अधिक का कृषि मे फायदा होता है।.... देश का कृषि अनुसंधान केंद्र कंगाली की कगार पर खड़ा है। वैज्ञानिको के आधे पद रिक्त पड़े हैं। सरकार के पास भर्ती के लिए फंड नही है।

अब आगे बात करें एम. एस. पी. की...

सरकार 24 फसलों की एम एस पी तय करती है, और खरीद होती है केवल 8, 10 फसलों की ही । ...

इसका कितना लाभ हमे मिलता है? कुछ उदाहरण से समझने का प्रयास करें। ...

गेहूँ का देश मे वर्ष 23- 24 मे कुल उत्पादन हुआ 1129 लाख मेट्रिक टन का, और खरीद हुई केवल 262 लाख मे. टन की। यानी खरीद केवल 23 प्रतिशत की ही ..

इसी प्रकार चने की खरीद 0.37 प्रतिशत ... मसूर की 14 प्रतिशत, सरसों की 9.19 प्रतिशत, सूरज मुखी एवं जो की 0 प्रतिशत हुई।..

शेष किसान ऑने पोने दाम मे बाजार मे बेचने मजबूर हुआ। ...

अब बात करें फसलों की लागत मूल्य की...

कृषि मूल्य आयोग ने नीति आयोग को प्रेषित एक रिपोर्ट मे स्वीकार किया है की किसानों की प्रांतों की लागत का मूल्यांकन सही नहीं है, प्रांतों मे फसल उत्पादन की लागत, समर्थन मूल्य से अधिक है। डॉ स्वामीनाथन के सी 2 पर 50 प्रतिशत के फार्मूले को न लेकर यदि उनके दूसरे फॉर्मूले ए 2 + एफ एल को ही लेवे तो सन 24-25 मे किसानों को धान मे प्रति हेक्टेयर 31.4 ℨ का नुकसान उठाना पड़ा। उड़द मे 475/-, सोयाबीन मे 4749/-, ज्वार मे 718/- प्रति हेक्टेयर का नुकसान सहना पड़ा, इसी प्रकार अन्य फसलों मे भी किसान घाटे मे खेती कर रहे हैं।...

जरा विचार कीजिये की इन परिस्थितियों मे किसान की समृद्धि की कल्पना करना या डिंडोरा, क्या बेमानी नही है ?? ...

विगत वर्षो मे मैंने नीति आयोग एवं कृषि मूल्य आयोग की कई बैठकों मे भाग लिया, वहाँ किसानों का पक्ष जोरदारी से रखने के प्रयास किये गये । विडंबना है की आर्थिक नीतियों पर अफसर शाही और उनकी अलग सोच, माइंड सेट, धारणाओं और मान्यताओ के चलते, हमें तो छोड़ दें, सरकार मे बैठे हमारे नुमाइंदे भी बेबस, असहाय नजर आते दिखते हैं। ..

कुल मिलाकर इन सबका आंकलन करने पर यह स्पस्ट समझ मे आता है की खेत - किसान न कभी किसी सरकार की प्राथमिकता मे रहा है और न रहेगा।..

दिन प्रति दिन गिरते इन आंकड़ों से स्पस्ट है की सरकार की नीति खेती के रकवे और किसानों की संख्या को कम करने की है।..और इसी नीति के तहत सरकार आगे बढ़ रही है।

यही कारण है की घाटे की खेती से आगे आने वाली पीढ़ी बच रही है। किसान इस धंधे से अलग हो रहे हैं। यही नहीं, देश मे कर्ज मे डूबे हर रोज 31 किसान आत्म हत्या करने मजबूर हो रहे हैं। इसकी पुष्ठी सरकार की रिपोर्ट करती है।

... इस पहलू को शायद हम समझ सकें। ...

सरकार शायद यह भूल रही है की अन्नदाता ने ही देश के अन्न के भंडारों को भरा, तभी तो करोना काल मे देश की आबादी का पेट भरने मे सरकार सफल हो पाई।... नहीं तो भुखमरी की एक अन्य त्रासदी से हमे गुजरना पड़ता।...

अगले पांच सालों तक 80 करोड़ आबादी को मुफ्त अनाज की सुविधा के सरकार के वायदे का क्या होगा, यदि किसान खेती करना बंद कर दें ।...

हमेशा हमे यह कह कर दबाया जाता है की किसान से टेक्स नही लिया जाता, जबकी सच्चाई यह की हम अप्रत्यक्ष रूप से हर वस्तु पर टेक्स देते हैं, चाहे वह खाद हो, डीजल हो, यंत्र हों, आदान सामग्री हों। रोटी कपड़ा, मकान , रोज मर्रा की वस्तुएं हों, सबके टेक्स का भुगतान वह करता है। किसान का देश की आर्थिक उन्नति मे भी उतना ही योगदान है। ...

किसानों के द्वारा भरे गये अन्न के भण्डारों के कारण बड़ी बड़ी बातें !!... खाली पेट होते तो शायद इसमे कमी आती। भगवान् न करे वह स्थिति आये।...(लेखक - इंजी. के के अग्रवाल/ ईएमएस)

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है। भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी। ऐसे ज्वलंत मुद्दों पर सर्वसम्मति बनना जीवंत लोकतंत्र का प्रमाण है। ऐसा अनुकरणीय उदाहरण पडोसी देशों में न मिलना ही उनकी अस्थिरता एवं अराजकता का बड़ा कारण है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में ऐसी स्थिति कतई नहीं बननी चाहिए कि जहां राजनीतिक दलों के बीच दूरियां इस कदर बढ़ जायें कि फौज का दखल देना पड़े या पडोसी देश अपनी स्वार्थों की रोटियां सेंकने में सफल हो जाये। भारत के पडोसी देशों के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी।

इन पडोसी देशों के नेता दो तरह के हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो सभी पडोसी देश मिलकर विश्व में एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इन पडोसी देशों के स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने की अपेक्षा है। भारत इस स्थिति में है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं आपसी समझ की ज्योत जलाने के लिये तत्पर रहना चाहिए, जो उन देशों के साथ भारत के लिये भी जरूरी है।

(लेखक - ललित गर्ग/ईएमएस)
(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

चर्चा में महामहिम... और अब 'लाटसाहब' के पद पर विवाद...?

जिस तरह हमारे संविधान के तहत महामहिम राष्ट्रपति जी को देश का सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख माना गया है, उसी की तर्ज पर महा महिम राज्यपालों को राज्यों का संवैधानिक प्रमुख बताया गया है, इसीलिए राज्यपालों की नियुक्ति महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा केन्द्र की अनुशंसा पर की जाती है, हमारे संविधान में इस पद की योग्यता को लेकर भी स्पष्ट उल्लेख है, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक व अन्य क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त विद्वान को इस पद पर नियुक्ति का प्रावधान है, किंतु आजादी की हीरक जयंति के इस वर्ष में विद्वतजनों में यही चर्चा का विषय है कि आज के दौर में जो राज्यपाल नियुक्ति किए जा रहे है, वे पद की इस प्रमुख योग्यता की पात्रता रखते है? या राज्य के इस प्रमुख संवैधानिक पद पर भी राजनीतिक चौला चढ़ा दिया गया है और राष्ट्रपति के संरक्षण में रहने वाले राज्यपाल अब केन्द्र की राजनीतिक 'दया दृष्टि' पर निर्भर हो गए है, अर्थात केन्द्र पर राज करने वाला राजनीतिक दल व उसके नेता ही राज्यप्रमुख के 'माई-बाप' हो गए है।

हमारे संविधान में राज्यपाल के पद का सम्मिश्रण इसलिए किया गया था कि वह राष्ट्रपति जी का प्रतिनिधि के रूप में राज्य सरकार पर संवैधानिक निगरानी रखे और समय-समय पर राष्ट्रपति जी को राज्य की हर गतिविधि से अवगत रखे। किंतु आज क्या हो रहा है? राज्यपालों के संरक्षक अब राष्ट्रपति जी नही बल्कि केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के राजनेता हो गए है और राज्य के संवैधानिक इस प्रमुख पद पर उन गए गुजरे तथा वयोवृद्ध राजनेताओं की नियुक्ति हो रही है, जो या तो चुनावों में जनता द्वारा कई बार ठुकरा दिए गए हो, या फिर जो सत्तारूढ़ राजनीतिक दल व नेताओं की सेवा सुश्रुषा में विशेष योग्यता प्राप्त हो, फिर चाहे उन्हें संविधान का ज्ञान हो या नहीं? यह जरूरी इसलिए नहीं क्योंकि उन्हें तो अपने अधिनस्थ अफसरों व केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के प्रादेशिक व राष्ट्रीय नेताओं के नेतृत्व ने काम करना है?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की एक माननीया न्यायाधीश जस्टिस नागरत्ना ने भी महामहिमों की मौजूदा कर्तव्य निष्ठा पर यही सवाल उठाया है, उन्होंने स्पष्ट कहा कि ''कुछ राज्यपाल ऐसा काम कर रहे है, जो उन्हें नही करना चाहिए'' उनका स्पष्ट कहना था कि- ''आज राज्यपाल वहां भूमिका निभा रहे है, जहां उन्हें विवादित भूमिका नहीं निभानी चाहिए, जहां उन्हें सक्रिय भूमिका निभानी होती है, वहां वे निष्क्रीय हो जाते है, उनका स्पष्ट कहना था कि सुप्रीम कोर्ट में राज्यपालों की खिलाफ मामले देश में राज्यपाल की संवैधानिक दशा की दुःखद कहानी है।'' वैसे नागरत्ना जी ने अपना यह वक्तव्य किसी राज्य विशेष के राज्यपाल को लेकर नही दिया, किंतु चर्चा है कि उनका स्पष्ट संकेत कर्नाटक के राज्यपाल को मध्यप्रदेश के वरिष्ठ राजनेता थावर चंद गेहलोत को लेकर थी, जिनकी वहां की कांग्रेस राज्य सरकार से कथित अनबन चल रही है, जिसका विषय मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण है तथा जमीन आवंटन के नाम पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी को कथित तौर पर रिश्वत देने का आरोप है। राज्यपाल गेहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारामैय्या को कारण बताओं नोटिस दिया था, जिस पर राज्य सरकार ने प्रस्ताव पारित करके राज्यपाल से अपना नोटिस वापस लेने की मांग की है।

यह तो महज एक उदाहरण मात्र है, वैसे देश के एक दर्जन से भी अधिक राज्यों में राज्यपाल व वहां की सरकारों के बीच अर्न्तद्वन्द जारी है, विशेषकर उन राज्यों में जहां राज्य सरकार को सत्तारूढ़ दल विरोधी दलों के राज्यपाल तैनात है।

इस तरह कुल मिलाकर आज सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि क्या मौजूदा राज्यपालगण अपने दायित्वों, कर्तव्यों का निर्वाहन संवैधानिक दायरें में कर रहे है? या राज्यपाल का पद अब अर्थहीन हो गया है? शायद इसीलिए कुछ समय पूर्व संवैधानिक विद्वानों द्वारा इस पद को खत्म करने की मांग की गई थी? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8094

बाएँ से दाएँ

1.दुर्व्यवहार,बुरा आचरण-4
4.पंजाब की एक नदी-4
7.अनाथालय-5
9.दूसरा,पराया-2
11.चलने का तरीका-2
12.नृत्य-2
13.समीप,पास,नजदीक-3
15.बुरी आदत-2
16.नृत्य करना-3
17.प्रलोभन,हवस,तृष्णा-3
18.मालिक,ईश्वर-2
19.निहित,कारण-3
21.भाग्य(अंग्रेजी-2)
23.थूक,लेस-2
24.नवीन,नव-2
25.नयापन,अनूठापन-5
29.नामवाला,नामचिन-4
30.करिश्मा,चमत्कार-4

ऊपर से नीचे

1.मनोरचना,मनगढ़ंत-4
2.कोक,कहवा-2
3.कामदेव की पत्नी-2
4.मित्र,दोस्त-2
5.पेड़ का मध्य भाग-2
6.नादानी,अनाड़ीपन-4
8.बंदर नचाने वाला-3
10.रचना करने वाला-5
11.आरचण,चरित्र-5
13.कपड़े की दिवार-3
14.उठा ले जाना, बलपूर्वक-3
18.पूजा,प्रार्थना-4
20.खूबसुरत,सुन्दर-3
22.कहर,भूचाल-4
25.नया,नवीन-2
26.शूर,बहादूर,सूरमा-2
27.अवधि में,पर्यंत-2
28.मृत,अप्रबल-2

शब्द पहेली -8093 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

विनेश फोगाट को सिल्वर मेडल मिलने की उम्मीद बरकरार

खेल कोर्ट ने कहा-ओलिंपिक खत्म होने पर करेंगे फैसला; भारतीय वकील ने फाइनल खेलने का चांस मांगा

पानीपत(ईएमएस)। पेरिस ओलिंपिक में फाइनल से ठीक पहले ओवरवेट बता अयोग्य करार दी गईं विनेश फोगाट की याचिका पर शुक्रवार को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोट्र्स में सुनवाई चल रही है। भारत की ओर से एडवोकेट हरीश सॉल्वे ने पक्ष रखते हुए कहा कि विनेश को सिल्वर मेडल दिया जाए या उसे फाइनल खेलने का चांस मिले।

इस पर कोर्ट ने यूनाइटेड वल्र्ड रेसलिंग से रेसलिंग को लेकर नियम पूछे। इसके बाद ष्ट्रस् ने कहा कि पेरिस ओलिंपिक की समाप्ति से पहले विनेश फोगाट की याचिका पर फैसला आने की उम्मीद है। फोगाट ने बुधवार को अपनी अपील दायर की और नए वेट-इन की मांग करते हुए फाइनल में भाग लेने की अनुमति मांगी। सुनवाई की प्रक्रिया के लिए बहुत कम समय था।

उधर, विनेश ने ष्ट्रस् में अपील दायर करके मांग की थी कि 50यत्र वेट कैटेगरी में उन्हें संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिया जाए। इसके बाद उनकी ये अपील स्वीकार कर ली गई थी। ओलिंपिक से डिसक्वालीफाई होने पर विनेश फोगाट संन्यास ले चुकीं हैं। बीते कल उन्होंने सोशल मीडिया (ङ्ग) पर इसका ऐलान किया।

भारतीय पुरुष रिले टीम पेरिस ओलंपिक से बाहर हुई

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय पुरुषों की चार गुण 400 मीटर रिले टीम पेरिस ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के साथ ही बाहर हो गयी है। भारतीय टीम शुरुआती हीट में 10वें स्थान पर रहने के कारण अंतिम दौर में नहीं पहुंच पायी।

भारत के मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब और राजेश रमेश ने हालांकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय तीन मिनट और 0.58 सेकंड निकाला पर दूसरी हीट में वह सातवें स्थान पर रहे जिससे उसे 16 टीमों में से कुल मिलाकर 10वां स्थान ही मिल पाया। दोनों हीट में से शीर्ष तीन टीम तथा दोनों हीट में अगली दो सबसे तेज टीमें फाइनल दौर में पहुंचती हैं।

वहीं बोत्सवाना की टीम 2:57.76 का समय निकालकर पहले जबकि ब्रिटेन की 2:58.88 का समय निकलकर दूसरे व अमेरिका की टीम 2:59.15 का समय निकालकर तीसरे नंबर पर रही। जापान की टीम 2:59.48 के समय के साथ ही चौथे स्थान पर रही। वहीं महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम भी पहले दौर की हीट में भाग लेने वाले 16 देशों में 15वें स्थान पर रहने के बाद बाहर हो गयी थी। विथ्या रामराज, ज्योतिका श्री दांडी, एमआर पूवम्मा और सुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने 3:32.51 का समय निकाला और हीट नंबर दो में आठवें और आखिरी स्थान से कुल 15वें स्थान पर रही।

हॉकी इंडिया ने कांस्य पर खुशी जताते हुए इनाम घोषित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम के सभी सदस्यों को 15-15 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। भारतीय टीम ने यहां तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराया।

हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये जबकि सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये का पुरस्कार देगा।

भारतीय टीम ने लगाता दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। पिछले बार हुए टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम ने कांस्य जीता था। इसी के साथ ही ओलंपिक में ये भारतीय हॉकी टीम का 13वां पदक है। भारतीय टीम ने ओलंपिक में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को हराया था जबकि बेज्जियम से उसका मुकाबला बराबरी पर रहा था।

रोहिदास को 4 करोड़ का इनाम देगी ओडिशा सरकार,प्रत्येक खिलाड़ी को मिलेंगे 15-15 लाख रुपए

पेरिस (ईएमएस)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी अमित रोहिदास को चार करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। माझी ने पदक जीतने पर भारतीय हॉकी टीम को बधाई देते हुए टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15-15 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की। भारत ने पेरिस ओलंपिक में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता है।

माझी ने ये भी कहा कि टीम के कर्मचारियों को भी 10 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ओडिशा की ओर से खेलने वाले अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। माझी ने कहा कि आने वाले पीढ़ी इस जीत को याद रखेगी। इसलिए मैं रोहिदास और अन्य सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं, और मैं यह भी घोषणा करता हूं कि सभी खिलाड़ियों को 15 लाख रुपए और स्टाफ को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे।

वहीं ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता टीम से बात कर उसे बधाई दी। पटनायक ने कहा, ओडिशा और पूरे भारत की ओर से भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई, हमें आप पर बहुत गर्व है। आपने शानदर प्रदर्शन किया है। वहीं अपना अंतिम मैच खेल रहे श्रीजेश को इस मैच में जीत के साथ ही विदायी मिली है।

पेरिस ओलंपिक में सौ से अधिक पदक जीतकर अमेरिका नंबर एक पर कायम भारत 64 वें स्थान पर खिसका

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में अमेरिका ने अब तक शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक पदक जीतकर पहला स्थान बनाये रखा है। वहीं चीन 73 पदकों के साथ दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया 45 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं मेजबान फ्रांस 54 पदकों के साथ ही चौथे स्थान पर है। ब्रिटेन 51 पदकों के साथ पांचवें नंबर पर है। भारत केवल 5 पदक लेकर 64 वें स्थान पर है। भारत के पांच पदकों में से दो तीन पदक शूटिंग जबकि एक- हॉकी और एथलेटिक्स में आये हैं।

अमेरिका 30 स्वर्ण सहित कुल 103 पदकों के साथ पहले स्थान पर है। वहीं चीन 29 स्वर्ण के साथ ही कुल 73 पदक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया 18 के साथ ही कुल 45 पदकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि फ्रांस और ब्रिटेन 14 और 13 स्वर्ण सहित कुल 54 और 51 पदक लेकर चौथे और पांचवें स्थान पर हैं।

भारतीय टीम अब एक माह आराम के बाद बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी

मुम्बई (ईएमएम)। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरा समाप्त हो गया है। हस दौरे में भारतीय टीम को जहां टी20 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 3-0 से जीत मिली थी। वहीं रोहित शर्मा की कप्तानी में एकदिवसीय सीरीज में उसे हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम को श्रीलंका में 27 साल के बाद किसी एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। अब भारतीय टीम

को करीब एक माह से अधिक का ब्रेक मिला है। टीम अब अपना अगला मैच 19 सितंबर को बांग्लादेश से अपनी ही धरती पर खेलेगी हालांकि जिस प्रकार के हालात बांग्लादेश में है उसमें उसके भारत दौरे पर आशंकाएं भी लगायी जा रही हैं। अभी तक तय कार्यक्रम के अनुसार भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट चेन्नई में 19 सितंबर से शुरु होगा जबकि दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से 1 अक्टूबर तक कानपुर में होगा। टेस्ट सीरीज के बाद भारत श्रीलंका के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगा। बांग्लादेश सीरीज के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड से खेलना है। कीवी टीम 24 अक्टूबर से 8 नवंबर तक होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारत दौरे पर आयेगी। टेस्ट सीरीज के बाद, भारत चार मैचों की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएगा। ये सीरीज 8 नवंबर से 15 नवंबर के बीच खेली जाएगी।

भारतीय रेसलर अमन सहरावत पेरिस ओलिंपिक में 57 किलोग्राम का सेमीफाइनल मैच हारे

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय रेसलर अमन सहरावत पेरिस ओलिंपिक में 57 किलोग्राम का सेमीफाइनल मैच हार गए हैं। उन्हें जापान के रे हिगुची ने 10-0 से हराया। अमन अब शुक्रवार को ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगे।

अमन ने क्वार्टर फाइनल में अल्बेनिया के जेलिमखान अबकारोव को 12-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। वहीं, अंशु मलिक विमेंस 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हो गईं। उन्हें अमेरिका की हेलेन लुईस मारौलिस ने 7-2 से हराया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 819.69 अंक बढ़कर 79,705.91 अंक पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 250.50 अंक ऊपर आकर 24,367.50 अंक पर बंद हुआ। इस सप्ताह की शुरुआत भारी गिरावट के साथ हुई थी, जिसकी वजह अमेरिका में बेरोजगारी दरों में आई गिरावट और बैंक ऑफ जापान की तरफ से ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी थी पर अब फिर से बाजार में सुधार आया है। इससे सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों हरे निशान में बंद हुए।

वहीं आज सुबह से ही बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। इसका कारण अमेरिकी बाजार में सुधार के साथ ही निवेशकों के मन में मंदी की आशंकाएं कम होना है।

आज निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में वाहन कंपनियों के शेयर रहे। आयशर मोटर्स के शेयर आज 5.68 फीसदी ऊपर आये और ये नंबर एक पर पहुंच गया। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.05 फीसदी, श्रीराम फाइनेंस 2.88 फीसदी, टाटा मोटर्स 2.81फीसदी और टेक महिंद्रा के शेयर भी 2.63फीसदी बढ़े।

दूसरी ओर नुकसान वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ सबसे ऊपर रहा। उसके शेयरों में आज 1.09 फीसदी की गिरावट रही जबकि कोटक बैंक 0.16 फीसदी, मारुति सुजूकी इंडिया 0.12 और सन फार्मा 0.10 के शेयर भी सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहें। निफ्टी के 50 शेयरों में सिर्फ यहीं चार शेयर ऐसे थे, जो आज गिरावट पर बंद हुए। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग के शेयर ऊपर आये जबकि शंघाई नीचे आया। वहीं यूरोपीय बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले हैं। गत दिवस अमेरिकी बाजार काफी बढ़त पर बंद हुए। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,626.73 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

वहीं आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बेंचमार्क सेंसेक्स 789 अंक उछलकर 79,675 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 235 अंक बढ़कर 24,352 के स्तर पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स के सभी शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। खासकर, आईटी सेक्टर शानदार प्रदर्शन करते दिखे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे प्रमुख आईटी शेयरों में 2 फीसदी तक की बढ़त रही।

डेलीगेटेड पेमेंटे सर्विस....अब आपके खाते से दूसरा यूजर कर सकता हैं पेंमेट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में पिछले कुछ सालों में डिजिटल पेमेंट लगातार बढ़ा है, खासकर यूपीआई से भुगतान में तेजी आई है। इसलिए यूजर्स अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आरबीआई लगातार डिजिटल पेमेंट सिस्टम में नई-नई सुविधाएं लेकर आ रहा है। इसी कड़ी में आरबीआई ने डेलीगेटेड भुगतान सर्विस शुरु की। डेलीगेटेड पेमेंटे सर्विस से मतलब है कि यूपीआई यूजर अपने अकाउंट से पेमेंट करने का अधिकारी किसी अन्य व्यक्ति को दे सकेगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इसकी जानकारी दी।

यूपीआई पेमेंट को लेकर डेलिगेटेड पेमेंट सर्विस में इसमें एक व्यक्ति (प्राइमरी यूजर) किसी अन्य व्यक्ति (सेकेंडरी यूजर) को अपने बैंक खाते से यूपीआई लेनदेन करने की अनुमति दे सकेगा। हालांकि, इसतरह के ट्रांजेक्शन की लिमिट प्राइमरी यूजर के द्वारा निर्धारित की जाएगी। इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगें।

थर्ड पार्टी पेमेंट एप कीवी के को-फाउंडर मोहित बेदी ने डेलिगेटेड पेमेंट सर्विस को लेकर कहा, इस कदम के जरिए आरबीआई प्राइमरी अकाउंट होल्डर (माता-पिता) को वह सुविधा देने जा रहे हैं, जिससे नाबालिग भ

सीबीडीटी आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करेगा

मुंबई (ईएमएस)। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है ?कि वह लंबित आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विभाग ने सितंबर के आ?खिर तक ऐसे 5,000 बड़े मामलों की पहचान करने के लिए एक विशेष टीम का गठन करेगा। ये मामले कुल बकाया करों के लगभग 60 फीसदी हिस्से के लिए जिम्मेदार होंगे। यह कार्रवाई सीबीडीटी की केंद्रीय कार्ययोजना का हिस्सा है, जिसमें अधिकारियों को पुराने कर मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। इस संदर्भ में सीबीडीटी ने जोर दिया है कि पिछली कर मांगों को निपटाने के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है और इसके लिए लक्ष्यों को तय किया गया है। इन मामलों में करदाताओं को पहले ही नोटिस भेजे जा चुके हैं लेकिन विभिन्न कारणों से अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। कानूनी मुकदमे, कंपनियों का बंद होना, करदाताओं का पता नहीं लग पाना और स्रोत पर कर कटौती में विसंगतियों के कारण ऐसे मामलों की संख्या बढ़ गई है। इसके अलावा कुछ मामलों पर अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा रोक लगाने का आदेश भी दिया गया है। 1 अप्रैल तक लंबित कर बकाया 43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 1 अप्रैल, 2023 में यह 24 लाख करोड़ रुपए था। सीबीडीटी ने अपनी कार्ययोजना में इसे अत्यधिक वृद्धि बताते हुए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

लगातार कही जा रही मंदी आने की बात सच नहीं!

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगातार आ रहीं मंदी आने की बात अभी सच होती नहीं ?दिखाई दे रही है। मंदी आने की मुख्य वजह नौकरियों का जाना होता है लेकिन अमेरिका से सामने आए ये आंकड़े अलग कहानी बता रहे हैं। दरअसल, यूएस में बेरोजगारी भत्ते के लिए दिए साप्ताहिक आवेदनों में गिरावट आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार 3 अगस्त के खत्म हुए सप्ताह के लिए बेराजगारी भत्ते के 2,33,000 दावे मिले जो साप्ताहिक आधार पर 17000 दावे कम है। इस बात की घोषणा यूएस के श्रम ?विभाग ने की है। इसे 11 महीनों में सबसे बड़ी गिरावट बताया जा रहा है। जून के बाद से ही बेरोजगारी भत्ते के लिए दावे लगातार बढ़े हुए ही दिख रहे थे। हालांकि, छंटनी इस दौरान कम दिख रही थीं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जून में जो छंटनी हुई वह पिछले 2 साल के मुकाबले सबसे कम थीं। रॉयटर्स के अनुसार लेबर मार्केट में स्लोडाउन के पीछे छंटनी नहीं कंपनियों द्वारा हायरिंग को धीमा कर देना बड़ी वजह है। दिलचस्प है कि एक अन्य सरकारी के आकंड़े के अनुसार जुलाई में बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 फीसदी पर पहुंच गई।

मुद्रास्फीति पर घरेलू औसत प्रत्याशा बढ़कर 8.2 प्रतिशत हुईः आरबीआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि जुलाई में किए गए ताजा सर्वेक्षण में मुद्रास्फीति पर घरेलू औसत प्रत्याशा बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। आरबीआई ने सर्वेक्षण के नतीजों के बारे में कहा ?कि ताजा सर्वेक्षण दौर में मौजूदा मुद्रास्फीति के बारे में घरेलू औसत प्रत्याशा 0.20 प्रतिशत बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। सर्वेक्षण के मुताबिक तीन महीने और एक साल आगे की अवधि के लिए मुद्रास्फीति की प्रत्याशा भी 0.20 प्रतिशत बढ़ी हैं। इस साल दो से 11 जुलाई के बीच किए गए सर्वेक्षण में 19 प्रमुख शहरों के कुल 6,091 प्रतिभागी शामिल हुए। सर्वेक्षण के नतीजे बताते हैं कि मई, 2024 के सर्वेक्षण दौर की तुलना में घरेलू क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा उच्च सामान्य कीमतों और मुद्रास्फीति की उम्मीद कर रहा है।

फिर सस्ता हुआ सोना, चांदी हुई महंगी

- सोना 69,600 रुपए, चांदी लगभग 80,750 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा भाव की शुरुआत शुक्रवार को गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 69,600 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 80,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन सोना के भाव बाद में सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 234 रुपये की गिरावट के साथ 69,470 रुपये के भाव पर खुला। इसके बाद यह 92 रुपये की गिरावट के साथ 69,612 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 71 रुपये की तेजी के साथ 80,686 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 142 रुपये की तेजी के साथ 80,755 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में सोने के भाव लुढ़क गए। कॉमेक्स पर सोना 2,467.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,463.30 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,459.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.64 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.60 डॉलर था। इस समय यह 0.06 डॉलर की तेजी के साथ 27.66 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

देश के बियरेबल उपकरणों की शिपमेंट में बड़ी गिरावट

- जून 2024 की तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 29.5 मिलियन यूनिट रह गई

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक मार्केट रिसर्च फर्म ने कहा कि भारत में वियरेबल उपकरणों की शिपमेंट में पहली बार गिरावट दर्ज की गई, जो जून 2024 की तिमाही में 10 प्रतिशत घटकर 29.5 मिलियन यूनिट रह गई। पुराने मॉडलों के बड़े स्टॉक की ?बिक्री नहीं होने और इस सेगमेंट में नवाचार के निचले स्तर से ऐसा हुआ। रिपोर्ट के अनुसार वनप्लस के साथ ओप्पो में साल दर साल 35.8 प्रतिशत की शिपमेंट में सबसे बड़ी गिरावट आई। इसके बाद फायर-बोल्ट का स्थान रहा, जिसके पहनने योग्य उपकरणों की शिपमेंट में 24.3 प्रतिशत की गिरावट आई, नॉइज़ में 13.9 प्रतिशत की गिरावट आई और बोट में साल दर साल 9.8 प्रतिशत की गिरावट आई। प्रमुख पांच ब्रांडों में बोल्ट एकमात्र खिलाड़ी था, जिसने शिपमेंट में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कुल शिपमेंट में गिरावट के बावजूद, बोट ने 26.7 प्रतिशत शेयर के साथ वियरेबल सेगमेंट का नेतृत्व किया, इसके बाद नॉइज (नेक्सबेस) ने 13 प्रतिशत शेयर, बौल्ट ने 8.1 प्रतिशत, फायर-बोल्ट ने 8 प्रतिशत, ओप्पो (वनप्लस के साथ संयुक्त) ने 7.6 प्रतिशत शेयर हासिल किए। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारों के मौसम की शुरुआत से पहले पुराने स्टॉक को साफ करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ विक्रेताओं द्वारा सावधानीपूर्वक इन्वेंट्री स्टॉकिंग और कम नए लॉन्च इस गिरावट के प्रमुख कारण थे। समग्र वियरेबल्स के लिए औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) भी 21 अमेरिकी डॉलर (1,763 रुपये) से 18.8 अमेरिकी डॉलर (लगभग 1,580 रुपये) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। कुल शिपमेंट में गिरावट स्मार्टवॉच के शिपमेंट में 27.4 प्रतिशत की गिरावट के कारण हुई, जो एक साल पहले 12.77 मिलियन से रिपोर्ट की गई तिमाही के दौरान 9.27 मिलियन हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि इन्वेंट्री क्लियर करने के लिए कीमतों में कटौती और ब्रैंड्स द्वारा छूट दिए जाने के कारण स्मार्टवॉच एएसपी एक साल पहले के 25.6 डॉलर से गिरकर 20.6 डॉलर पर आ गया। एडवांस्ड स्मार्टवॉच में 21.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि बाजार हिस्सेदारी 1.5 से बढ़कर 2.5 प्रतिशत हो गई। स्मार्टफोन सेगमेंट में सबसे ज्यादा नुकसान बोट को हुआ, जिसकी शिपमेंट में सालाना आधार पर करीब 45 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके बाद नोइज का स्थान रहा, जिसकी शिपमेंट में 32.4 प्रतिशत, फायर बोल्ट का 26.1 प्रतिशत और बोल्ट का 16.6 प्रतिशत की गिरावट आई। टाइटन एकमात्र ऐसा ब्रैंड रहा, जिसने स्मार्टफोन शिपमेंट में करीब 69 प्रतिशत की उछाल दर्ज की।

मनु और श्रीजेश होंगे पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक खेलों का समापन 11 अगस्त को होगा। इसमें भारत की ओर से महिला वर्ग में मनु भाकर को भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया गया है। वहीं पुरुष वर्ग से स्टार हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश ध्वजवाहक रहेंगे। मुन ने इस बार ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर एक रिकार्ड बनाया है। वह एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। वहीं गोलकीपर श्रीजेश ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम के कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई। श्रीजेश ने टूर्नामेंट के दौरान कई गोल रोके और भारतीय टीम की जीत में अहम योगदान दिया। प्रेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का अभियान समाप्त होने के साथ ही श्रीजेश ने खेल से संन्यास भी ले लिया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने मनु के साथ ही श्रीजेश को समापन समारोह के लिए भारतीय दल का ध्वजवाहक बनाया है।

आईओए ने अपने एक बयान में कहा, भारतीय ओलंपिक संघ को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ ही संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में श्रीजेश के नाम की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। वहीं आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के अंदर एक भावनात्मक और लोकप्रिय विकल्प थे, जिसमें शेफ डी मिशन गगन नारंग और संपूर्ण भारतीय दल शामिल था।

उषा ने कहा, श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और सामान्य रूप से भारतीय खेल में अहम भूमिका निभाई है। उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की थी तो उन्होंने भी श्रीजेश को ही ध्वजवाहक बनाने को कहा। ये दिखाता है कि श्रीजेश के खेल के प्रति योगदान को नीरज कितना महत्व देते हैं। मुन ओलंपिक के बाद भारत वापस आ गयीं थीं, ऐसे में उन्हें ध्वजवाहक बनने एक बार फिर पेरिस जाना होगा।

कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर टिम वाल्ज को चुना

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव दिलचस्प होता जा रहा है। कमला हैरिस ने अपने रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर टिम वाल्ज को चुना है। मगर कमला हैरिस की पसंद टिम वाल्ज का चीनी कनेक्शन सामने आया है। कमला हैरिस की पसंद टिम वाल्ज चीन के सो कॉल्ड यार निकल गए। चीन में लोग उन्हें प्यार से चाइनाज मैन कहते हैं। हालांकि, टिम वॉल्ज के इस चीन कनेक्शन को लेकर डेमोक्रेट्स को रिपब्लिकन ने घेरना शुरू कर दिया है।

दरअसल, डेमोक्रेटिक की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज के चीन के साथ दशकों पुराने संबंध हैं। टिम वॉल्ज चीन में टीचर रह चुके हैं। वह 1989 और 1990 में चीन के दक्षिणी गुआंगडोंग प्रांत में स्थित कॉलेज में अंग्रेजी पढ़ाते थे। टिम वाल्ज ने अक्सर चीन के लोगों के बारे में प्यार से बात की है। कहा जाता है कि चीन और चीनियों को लेकर उनका नजरिया जरा सॉफ्ट रहा है। वह कई बार चीन की यात्रा कर चुके हैं। 90 के दशक में वह बीजिंग में यूएस अंबेसडर भी रह चुके हैं। वाल्ज के इसी चीनी कनेक्शन को लेकर अब रिपब्लिकन हमलावर हो गई है।

टिम वाल्ज नेब्रास्का के छोटे से शहर वेस्ट प्वाइंट में पले-बढ़े हैं। राजनीति में आने से पहले वह मिनेसोटा के मैनकैटो वेस्ट हाई स्कूल में सामाजिक अध्ययन के शिक्षक, फुटबॉल कोच और यूनियन के सदस्य रह चुके हैं। टिम वाल्ज ने आर्मी नेशनल गार्ड में 24 साल सेवा की और सेना में सबसे ऊंचे रैंक में से एक सार्जेंट मेजर की कमान संभाली। वह छह बार सांसद रह चुके हैं। पहली बार वह 2006 में संसद के लिए निर्वाचित हुए थे। उन्होंने 2018 में 'वन मिनेसोटा' थीम पर गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा और 11 से अधिक अंकों से जीत हासिल की। वाल्ज ने 2022 में अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉ। स्कॉट जेन्सेन को मात दी थी।

ट्रम्प प्रशासन में जर्मनी में राजदूत और कार्यकारी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक रहे रिचर्ड ग्रेनेल ने एक्स पर कहा, 'कमला के उपराष्ट्रपति के रूप में टिम वाल्ज के चयन से कम्युनिस्ट चीन बहुत खुश है। हालांकि, कमला हैरिस और टिम वाल्ज की टीम ने इस तरह की आलोचना को खारिज किया है। टीम कमला के प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने कहा, 'रिपब्लिकन बुनियादी तथ्यों को तोड़-मरोड़ रहे हैं। वाल्ज लंबे समय से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के खिलाफ खड़े रहे हैं और मानवाधिकारों और लोकतंत्र के लिए लड़े हैं। उन्होंने हमेशा अमेरिकी नौकरियों और विनिर्माण को सबसे पहले रखा है।

ईरान चारों तरफ से इजराइल पर कभी भी कर सकता है हमला, सहमी दुनिया - यमन के हूती विद्रोही ईराक के रास्ते सीरिया पहुंचे

तेहरान,(ईएमएस)। हमास चीफ की मौत के बाद ईरान और उसके सहयोगियों ने इजराइल पर हमले की चेतावनी दी है। इसको लेकर पूरी दुनिया सकते हैं कि कहीं यह जंग और ज्यादा ना फैल जाए लेकिन ईरान किस तरह से इजरायल पर हमला करेगा? कहां से करेगा? कैसे करेगा? क्या रणनीति होगी? क्योंकि निशाना है इजरायल जिसे अमेरिका का समर्थन मिला हुआ है।

अमेरिका ने अपने सबसे खतरनाक विमानवाहक युद्धपोत को इजरायल की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिया है। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट से उड़ान भरता एफ-ए-18 ई सुपर हॉरनेट फाइटर जेट। ईरान-इजरायल की वजह से मिडिल-ईस्ट में किसी भी समय जंग का बिगुल फूंक सकता है। इस बात की पूरी दुनिया को चिंता है। दुनिया की सभी ताकतवर शक्तियों को भी यह एक क्षेत्रीय स्तर पर होने वाली भयानक जंग हो सकती है। आशंका है कि ईरान अपने समर्थक देशों के साथ मिलकर इजरायल पर चारों तरफ से हमला कर सकता है जहां वैश्विक कूटनीतिक समुदाय इस युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहा है। वहीं, सवाल उठ रहा है कि छोटा सा देश इजरायल कैसे ईरान के गुस्से का सामना करेगा? क्योंकि उसके साथ सीरिया, ईराक, फिलिस्तीन और यमन में मौजूद आतंकी समूह भी हैं। ये भी ईरान के साथ मिलकर इजरायल पर हमला बालेंगे।

इजरायल और उसका सबसे बड़ा समर्थक देश अमेरिका बड़े पैमाने की जंग की तैयारी कर रहे हैं। इजरायल ने हमास के कई बड़े लीडर्स को मार दिया है। सबसे बड़ा लीडर पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हानिया और हिजबुल्लाह कमांडर फौद शुक्र दस दिन के अंदर मारे गए हैं।

इसके पहले ईरान ने इजरायल पर 330 ड्रोन और मिसाइल हमला किया जिसमें 13 लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अगला अटैक अप्रैल से ज्यादा खतरनाक होगा. डूम्स-डे नजदीक आ रहा है. ईरान तीन तरह से हमला करने की फिराक में है या कर सकता है इससे इजरायल पर घातक हमला तो होगा ही लेकिन अमेरिका से सीधे पंगा लेने की मुसीबत से भी ईरान बच जाएगा। ईरान अपने साथियों जैसे-लेबनान, सीरिया, यमन और ईराक से भी कहेगा कि हमला एक साथ हो ताकि इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम इतनी ज्यादा मात्रा में आने वाले हवाई हमले को संभाल न सके। इससे अमेरिका और इजरायल को वापसी हमला करने या बचाव का कम समय मिलेगा। हिजबुल्लाह के ड्रोन 15 मिनट में हाइफा और 40 मिनट में तेल अवीव पहुंच सकते हैं। रक्षा एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान के जो प्रमुख लोग सीरिया और ईराक में बैठे हैं, वो इजरायल के साथ-साथ अमेरिकी सेना पर भी घातक हमला करेंगे। यमन के हूती विद्रोही ईराक के रास्ते सीरिया पहुंच गए हैं। उन्हें पूर्वी और दक्षिणी सीरिया में तैनात किया गया है। इससे अमेरिकी सेना व्यस्त हो जाएगी और इजरायल को सुरक्षा नहीं दे पाएगी। इजरायली एयर डिफेंस सिस्टम हजारों ड्रोन्स और मिसाइलों का हमला नहीं रोक पाएगा।

भारत आने की कोशिश में 300 बांग्लादेशी जलपाईगुड़ी में एकत्रित

जलपाईगुड़ी (ईएमएस)। बांग्लादेश में हिन्दुओं और अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हो रहे हमलों के बीच 300 बांग्लादेशी जलपाईगुड़ी जिले के समीप एकत्रित हुए। वह भारत आने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, बॉर्डर पर तैनात फोर्स ने उन्हें हटा दिया। दरअसल, बांग्लादेश में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन के बाद हिन्दुओं पर अत्याचार बढ़ता चला गया। हालांकि, नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। पीएम मोदी ने मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दी हैं। पीएम मोदी ने सामान्य स्थिति के शीघ्र बहाल होने की उम्मीद और हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और संरक्षण की अपील की।

पीएम ने लिखा, प्रोफेसर यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारियां संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही सामान्य स्थिति होगी। और हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। भारत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, बांग्लादेश में पैदा हुई अराजकता की स्थिति में बांग्लादेश और भारत जोड़ने वाले बॉर्डर पर बीएसएफ द्वारा सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, बांग्लादेश से सटे पांच राज्यों में सुरक्षा के मद्देनजर हाई अलर्ट कर दिया गया है।

गाजा में युद्ध विराम पर वार्ता के लिए तैयार इजरायल 15 अगस्त को होगी बात

तेलअवीव(ईएमएस)। इजरायल और फिलिस्तीनी आतंकी संगठन हमास के बीच 7 अक्टूबर से चल रहे युद्ध को 10 महीने पूरे हो चुके हैं। हमास ने इजरायल के खिलाफ युद्ध की शुरुआत करते हुए रॉकेट अटैक्स और घुसपैठ करते हुए हमले किए और युद्ध की शुरुआत की थी। हमास के हमलों में इजरायल में करीब 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से ज्यादा लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था, जिनमें से करीब 100 लोग अभी भी हमास की कैद में हैं। हमास से बदला लेने के लिए इजरायली सेना ने भी कार्रवाई शुरू कर दी जो अभी भी जारी है। हमास के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में इजरायल के करीब 700 सैनिकों की मौत हो चुकी है पर इजरायली हमलों में 40 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की भी मौत हो चुकी हैं। इजरायली सेना ने हजारों हमास आतंकियों को भी मार गिराया है। इनमें पॉलिटिकल चीफ इस्माइल हनियेह समेत हमास के दूसरे कई अहम लोग भी शामिल हैं। लेकिन इसी बीच इजरायल ने युद्ध विराम वार्ता के प्रस्ताव पर एक चौंका देने वाली प्रतिक्रिया दी है।

पिछले 10 महीने में इजरायल और हमास के बीच गाजा में चल रहे युद्ध पर विराम लगाने के लिए मध्यस्थ काफी प्रयास कर रहे हैं। हालांकि 24 नवंबर से युद्ध पर पहले 4 दिन के लिए, फिर 2 दिन और फिर 1 दिन यानी कि एक हफ्ते का विराम जरूर लगा और उस दौरान सीजफायर का पालन भी किया गया पर एक हफ्ते के बाद उसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका। इजरायल पहले ही साफ कर चुका है कि वो गाजा में हमास के खात्मे से पहले युद्ध नहीं रोकेगा, लेकिन अब इजरायल गाजा में युद्ध विराम पर वार्ता के लिए तैयार हो गया है।

अमेरिका, कतर और मिस्त्र जैसे मध्यस्थों के कहने पर इजरायल गाजा में युद्ध विराम पर वार्ता के लिए तैयार हो गया है। 15 अगस्त को इस विषय पर बात होगी और इजरायल इसके लिए अपना प्रतिनिधिमंडल भेजेगा।

ब्राजील में बड़ा हादसा, 62 लोगों को लेकर जा रहा विमान हुआ दुर्घटनाग्रस्त

ब्राजील के साओ पाओलो में एक बड़ा हादसा हो गया यहां एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रॉयटर के मुताबिक इस विमान में 62 लोग सवार थे। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि कितने लोग घायल हुए या मारे गए। विमान एक आवासीय इलाके में क्रैश हुआ है। घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

रॉयटर, साओ पाओलो। ब्राजील के साओ पाओलो में एक बड़ा हादसा हो गया, यहां एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रॉयटर के मुताबिक इस विमान में 62 लोग सवार थे। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि कितने लोग घायल हुए या मारे गए। विमान एक आवासीय इलाके में क्रैश हुआ है। घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एयरलाइन वोएपास ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि की है।

एयरलाइन ने एक बयान में पुष्टि की कि साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ग्वारुलहोस के लिए जा रहा एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 58 यात्री और 4 चालक दल के सदस्य सवार थे। बयान में यह नहीं बताया गया कि दुर्घटना किस कारण से हुई।

साओ पाउलो के राज्य अग्निशमन विभाग ने सोशल मीडिया पर पुष्टि की कि विन्हेडो में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, और उसने दुर्घटना वाले क्षेत्र में सात दल भेजे हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में दिखाया गया है कि विमान पेड़ों के समूह में गिर रहा है और उसके बाद काले धुएं का बड़ा गुबार उठता दिख रहा है। वहीं इस हादसे की जानकारी पर दक्षिणी ब्राजील में एक कार्यक्रम में ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने भीड़ से खड़े होकर एक मिनट का मौन रखने की अपील की है।

इजराइल के आवासीय क्षेत्र पर हवाई हमले में 15 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा,(ईएमएस)। इजरायली ने मध्य गाजा पट्टी में अल-ब्यूरिज शरणार्थी शिविर के एक आवासीय क्षेत्र पर हवाई हमला कर कई बम बरसाए जिससे इस हमले में कम से कम 15 बेगुनाह महिलाओं और बच्चों की मौत हो गई। इस हमले की कड़ी निंदा की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि नागरिक सुरक्षा दल ने महिलाओं और बच्चों सहित 15 फिलिस्तीनियों के शवों को स्थानीय अस्पतालों में भेजा गया। जो इजराइल के हवाई हमले में मारे गए हैं। इजराइल शरणार्थी शिविर को अपना निशाना बना रहा है जिसमें मासूमों की जान जा रही है। इस घटना पर इज़रायली सेना ने कोई टिप्पणी नहीं की है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में 22 फिलिस्तीनी मारे गए और 77 घायल हुए है जिससे अक्टूबर 2023 में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 39,699 हो गई और 91,722 घायल हुए हैं।

10 सितंबर को ट्रंप और हैरिस में छिड़ेगी जुबानी जंग

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस 10 सितंबर को चुनावी बहस करने को तैयार हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के सामने राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है।

ट्रम्प ने कहा कि वह सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत पहली बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर चुनाव से हटने के लिए चौतरफा दबाव डाला गया था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम प्रस्तावित किया था जिसे पार्टी ने भी मंजूरी दे दी है। अब ट्रम्प और हैरिस 10 सितंबर को आमने-सामने आकर एक दूसरे पर राजनीतिक हमले करेंगे।

रूस देगा भारत को 120 लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल

नई दिल्ली (ईएमएस)। रूस ने भारत को 120 लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल देने की बात कही है। ये मिसाइलें सतह से हवा में मार करती हैं। ये फैसला रूस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा के बाद लिया है। ये मिसाइलें भारत के पास मौजूद रूसी एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 ट्रायम्फ में लगाई जाएगी। जिनका नाम बदलकर अब सुदर्शन चक्र रखा गया है।

120 और इंटरसेप्टर मिसाइलों को मिलने के बाद भारत को पाकिस्तान और चीन की तरफ से पैदा की जाने वाली दिक्कतों का सामना करने में परेशानी नहीं होगी। सुदर्शन चक्र एयर डिफेंस सिस्टम में 40एन6 इंटरसेप्टर मिसाइलें लगती हैं। ये मिसाइल किसी भी तरह के हवाई हमले को हवा में बर्बाद कर सकती हैं।

ये कम ऊंचाई पर उड़ रहे टारगेट्स को भी निशाना बना सकती हैं। जैसे हेलिकॉप्टर्स और ड्रोन, या फाइटर जेट्स आदि को। सुदर्शन चक्र को वायुसेना के अवास विमानों और सिस्टम के साथ जोड़ गया है। ताकि उनके राडार में जब भी दुश्मन दिखाई दे, सुदर्शन चक्र अपने आप सक्रिय हो जाए। जरूरत पड़ने पर हमला कर सके।

पेरिस 2024 : भाला फेंक में नीरज को रजत, पाकिस्तान के अरशद ने जीता गोल्ड

- अब एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने नीरज चोपड़ा

पेरिस(ईएमएस)। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नीरज का इस सत्र का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसी के साथ नीरज आजादी के बाद एथलेटिक्स में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। नीरज चोपड़ा भले ही स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव नहीं कर सके, लेकिन वह ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। नीरज से पहले पहलवान सुशील कुमार, बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू और निशानेबाज मनु भाकर ही यह उपलब्धि अपने नाम कर सके हैं। सुशील कुमार ने 2008 में कांस्य और 2012 लंदन ओलंपिक में 66 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि सिंधू ने महिला एकल मुकाबले में 2016 रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक अपने नाम किया था। महिला निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में ही व्यक्तिगत और मिश्रित स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में शानदार प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर का थ्रो किया और वह अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर आ गए थे। नीरज के करियर का यह दूसरा और इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने तीसरे प्रयास में 88.72 मीटर का थ्रो फेंका और वह शुरुआती तीन प्रयास के बाद शीर्ष पर बने हुए थे। नीरज चोपड़ा ने तीसरे प्रयास में भी फाउल किया। नीरज ने इसके बाद अगले तीनों प्रयास फाउल किए। नीरज फाइनल में सिर्फ एक ही सफल प्रयास कर सके। इससे पहले 10 मुकाबलों में नीरज ने हमेशा नदीम को हराया था, लेकिन पेरिस खेलों में फाइनल में नदीम शुरुआत से ही नीरज से आगे रहे।

नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में 87.58 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन वह पेरिस में टोक्यो का प्रदर्शन नहीं दोहरा सके। पाकिस्तान के नदीम ने अपने दूसरे प्रयास में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए अपने दूसरे प्रयास में 92.97 मीटर का थ्रो फेंका और शीर्ष पह पहुंच गए। नदीम का यह थ्रो ओलंपिक में फेंका गया अब तक का सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। इससे पहले ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ थ्रो 90.57 मीटर का था। यह रिकॉर्ड नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्दसन के नाम था। एंड्रियास ने 2008 में बीजिंग खेलों में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था, लेकिन नदीम ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने पहले प्रयास में फाउल के साथ शुरुआत की। नीरज को शुरू से ही नदीम से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद थी। वहीं, जूलियन वेबर ने भी पहले प्रयास में फाउल किया। गत चैंपियन नीरज चोपड़ा ने भी पेरिस ओलंपिक के फाइनल में फाउल के साथ शुरुआत की। नीरज भाला फेंकने के बाद खुद पर नियंत्रण नहीं रख सके और लाइन को छू गए जिससे उनका प्रयास फाउल करार दिया गया। मालूम हो कि नीरज ने क्वालिफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में नीरज चोपड़ा को रजत पदक जीतने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता के साक्षात उदाहरण हैं! उन्होंने बार-बार अपनी प्रतिभा दिखाई है। भारत को खुशी है कि वह एक बार फिर ओलंपिक में सफल रहे हैं। रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले अनगिनत एथलीटों को अपने सपनों को पूरा करने और हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, असाधारण एथलीट नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उनकी अद्भुत उपलब्धि और रजत पदक जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई। वह कड़ी मेहनत, समर्पण और निरंतरता के प्रतीक हैं। उनकी सफलता से पूरा देश प्रसन्न है।

गुजरात सरकार के सहयोग से खेल जगत में नए 'चैंपियन' के रूप में उभर रहे हैं आदिवासी युवा

गांधीनगर 09 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान आदिवासी समुदाय के उत्कर्ष के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। नतीजतन,आजगुजरात का आदि वासी युवा हर क्षेत्र में अग्रणी बना है।

प्रधानमंत्री ने खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की थी, जिसके परिणामस्वरूप आदिवासी खिलाड़ियों ने गुजरात को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई है। राज्य के आदिवासी खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, तीरंदाजी,जूडो, कुश्ती, खो-खो और राइफल शूटिंग जैसे खेलों में विभिन्न स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। डांग की 'गोल्डन गर्ल' सरिता गायकवाड़ ने 2018 में आयोजित एशियाई खेलों में महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक और मुरली गावित ने 2019 की एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में पुरुषों की 10,000 मीटर प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। गुजरात सरकार ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की क्षमता को प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य में खेल के वातावरण को बढ़ावा देने के लिए गुजरात खेल प्राधिकरण (एसएजी) ने विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की हैं, जिनमें स्कूल स्पोर्ट्स कॉन्टैक्ट प्रोग्राम, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेल प्रतिभा पुरस्कार, शक्तिदूत योजना, इनस्कूल योजना, जिला स्तरीय खेल स्कूल (डीएलएसएस) और खेल महाकुंभ आदि शामिल हैं। गुजरात सरकार खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने के लिए उन्हें योजना के अनुसार स्पेशल कोचिंग, स्पोर्ट्स किट, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर, यात्रा व्यय और पोषण सहित तमाम सुविधाएं मुहैया कराती है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात ने स्पोर्ट्स पॉलिसी 2022-27 लॉन्च की है, जिसका उद्देश्य राज्य में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम विकसित करना है। इस नई नीति से गुजरात आने वाले समय में खेल क्षेत्र में एक अग्रणी राज्य बनेगा, साथ ही राज्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उनके सपने साकार करने के और अधिक अवसर मिलेंगे। इस नीति के तहत राज्य में आदिवासी लोगों के बीच खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

राज्यसरकारनईपहलोंऔर सहायताओंकेजरिए आदिवासी खिलाड़ियों में जोश भरने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके अंतर्गत वर्ष2023-24में अरवल्ली, बनास कांठा, भरूच, दाहोद, डांग, नर्मदा, नवसारी, पंचमहाल,साबरकांठा, सूरत, तापी और वलसाड के 15 जिला स्तरीयखेलस्कूलोंकेलिए 13,91, 70,615 रुपए का अनुदान आवंटित किया गया है। इन स्कूलों में 1000 से अधिक आदिवासी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यही नहीं, गत 10 वर्षों में 15 आदिवासी खिलाड़ियों को खेल प्रतिभा पुरस्कारकेरूप में 1 करोड़ 39 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है।

गुजरात सरकार ने राज्य के होनहार खिलाड़ियों में निहित क्षमता को ध्यान मेंरखते हुए उन्हें आवश्य कता-आधारित सुविधाएं उपलब्ध कराकर 'चैंपियन' तैयार करने के लिए 'शक्तिदूत योजना' लागू की है। इस योजना के अंतर्गत सरिता गायकवाड़ को वर्ष 2017 से 2024 के दौरान 12 लाख रुपए की सहायता दी गई है, जबकि मुरली गावित को इसी अवधि के दौरान 55,92,806 रुपए की सहायता प्रदान की गई है। राज्य सरकार 'स्वामी विवेकानंद गैर-निवासी प्रतिभा संवर्धन केंद्र' के अंतर्गत प्रति खिलाड़ी सालाना लगभग 65 हजार रुपए का खर्च करती है। इस योजना के अंतर्गत 336 आदिवासी खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर7रजत और 17 कांस्य सहित कुल 24 पदक जीते हैं। वहीं, राज्य सरकार द्वारा स्वामी विवेकानंद प्रतिभा संवर्धन केंद्र-आवासीय अकादमी के तहत प्रति खिलाड़ी सालाना लगभग 3 लाख रुपए का खर्च किया जाता है।

इस योजना के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्र के 444 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 350 और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 41 सहित कुल 391 पदक अपने नाम किए हैं।

गोधरा के पास टैंकर ने कार को टक्कर मारी, 4 की मौके पर मौत, 3 गंभीर रूप से घायल

9 अगस्त, 2024

गोधरा के पास सड़क दुर्घटनाः गुजरात में सड़क दुर्घटना की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। हाईवे पर पूरी रफ्तार से गाड़ी चलाने से अक्सर निर्दोष लोगों की जान चली जाती है। आज गोधरा तालुका के गोलाव के पास पूरी रफ्तार से आ रहे एक टैंकर ने एक कार को टक्कर मार दी और 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि 1 व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गोधरा तालुका गोलाव के पास एक टैंकर ने इको कार को टक्कर मार दी, जिससे 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। टैंकर की टक्कर इतनी भीषण थी कि 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 शख्स की इलाज के दौरान मौत हो गई. वहीं घायलों को आगे के इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस और पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। हादसे के शिकार लोगों को बाहर निकाला गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पता चला है कि कार में सवार सभी सात लोग छोटाउदेपुर के हैं. पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है.

वडोदरा नगर पालिका ने विभिन्न श्रेणियों की रिक्तियों के लिए भर्ती, नियुक्ति पत्र जारी किए हैं

वडोदरा, 09 अगस्त

आज का कार्यक्रम वडोदरा नगर पालिका के विभिन्न संवर्गों में वर्ग 2 और 3 के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती, आंतरिक भर्ती और पदोन्नति के उद्देश्य से माननीय महापौर श्रीमती पिंकीबेन सोनी, डे मेयर चिरागभाई बारोट, स्थायी समिति की उपस्थिति में आयोजित किया गया। स्थायी समिति कक्ष में अध्यक्ष डॉ. शीतलभाई मिस्त्री को नियुक्ति पत्र दिया गया।

आगे स्थायी समिति के अध्यक्ष डॉ. शीतलभाई मिस्त्री ने कहा कि वडोदरा नगर निगम वर्ग-2 में कुल 5 उम्मीदवारों की नियुक्ति की गई है, जिसमें 4 वार्ड अधिकारी सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्त किए गए हैं और 1 चुनाव अधिकारी आंतरिक भर्ती के माध्यम से नियुक्त किया गया है और वर्ग- में। 3 विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी अभ्यर्थियों के लिए सीधी भर्ती से कुल 119 पद प्राप्त हुए तथा 6 कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई, इस प्रकार कुल 125 कर्मचारियों की भर्ती की गई, जिनमें मुख्य रूप से राजस्व अधिकारी के 6, सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर के 1, उप स्वच्छता निरीक्षक के 10 पद शामिल हैं। सीधी भर्ती के माध्यम से मल्टी-पर्पज वर्कर्स के 68, मल्टी-पर्पज हेल्थ वर्कर्स के 34, आलाई और वडोदरा नगर निगम के अग्निशमन विभाग में सेवारत कुल 6 सैन्य कर्मियों को पदोन्नत किया गया और सर सैनिक के पदों पर नियुक्त किया गया।

विभिन्न संवर्गों में सीधी भर्ती, आंतरिक चयन एवं पदोन्नति के माध्यम से कुल 130 कर्मचारियों की नियुक्ति की गई। वर्ग द्वितीय

पदों की संख्या भर्ती का प्रकार नियुक्तियों की संख्या

1 वार्ड अधिकारी - सीधी भर्ती - 4

2 चुनाव अधिकारी आंतरिक चयन - 1

कक्षा-3

पदों की संख्या भर्ती का प्रकार नियुक्तियों की संख्या

1 राजस्व अधिकारी सीधी भर्ती- 6

2 सॉफ्टवेयर प्रोग्रामर सीधी भर्ती- 1

3 उप स्वच्छता निरीक्षक सीधी भर्ती-10

4 बहुउद्देश्यीय कार्यकर्ता सीधी भर्ती- 68

5 बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता सीधी भर्ती-34

6 सर सैनिक (सैनिक से) पदोन्नत –

सरदार सरोवर बांध का जलस्तर 70 प्रतिशत से अधिक; बांध से 28,464 क्यूसेक पानी छोड़ा गया

गांधीनगर, 9 अगस्त

गुजरात के साथ-साथ अपस्ट्रीम में भी बारिश के कारण गुजरात के जीवदोरी सरदार सरोवर बांध में बारिश के पानी की आवक और अपस्ट्रीम बांध से छोड़े गए पानी के कारण जलस्तर 128.69 मीटर तक पहुंच गया है. आज 9 अगस्त को 3 घंटे तक बांध में कुल 3.54 लाख क्यूसेक पानी की आवक हुई है.

सरदार सरोवर बांध की कुल भंडारण क्षमता 9,460 मिलियन क्यूबिक मीटर है। वर्तमान में सरदार सरोवर बांध अपनी भंडारण क्षमता का 70 प्रतिशत यानी 6662 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी संग्रहित कर रहा है, बांध में पानी का स्तर चेतावनी स्तर तक पहुंच गया है। सरदार सरोवर बांध में जल स्तर को चेतावनी स्तर से कम करने के लिए रिवर बेड पावर हाउस (आरबीपीएच) के माध्यम से लगभग 28,464 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है।

मौसम विभाग की ओर से जहां आज गुजरात में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है, वहीं अहमदाबाद के कई इलाकों में आज बारिश हुई. शहर में बारिश होने से माहौल ठंडा होने से शहरवासियों को राहत मिली। अहमदाबाद एस. जी। हाईवे, थलतेज, गुरुकुल और वस्त्रपुर समेत कई इलाकों में बारिश की खबर है।

वर्तमान में राज्य में सार्वभौमिक वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है. उत्तर गुजरात में आज भारी बारिश का अनुमान है. अरावली और महिसागर में भारी बारिश का अनुमान है साथ ही बनासकांठा, साबरकांठा में भी भारी बारिश का अनुमान है. उत्तर गुजरात में कल भी भारी बारिश का येलो अलर्ट है.

भुवनगरी वडोदरा के इसी इलाके में एक और भुवा गिरा

वडोदरा,09 अगस्त

वडोदरा में गड्ढेः वडोदरा को संस्कारनगरी और कलानगरी के नाम से जाना जाता है, खड़ोदरा के नाम से मशहूरहोने के बाद अब इसे भुवा नगरी के नाम से भी जाना जाता है। तभी इसीइलाके की योगेश्वर सोसायटी में ट्रैक्टर का पहिया दूसरे गिरे हुए भुवा में फंस गया और किस्मत से एक जान बच गई. हालांकि सुरक्षा कारणों से इस रास्ते को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया है.

उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले शहर में एक ही दिन में 12 इंच बारिश हुई थी। बारिश के कारण निचले इलाकों में घुटनों तक जलभराव हो गया. बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में छोटी-बड़ी बाढ़ आ गई. ऐसी ही एक घटना सामवी इलाके में योगेश्वर सोसायटी में हुई. जिसकी मरम्मत का कार्य लगभग पूरा होने वाला था। लेकिन कल रात तीन घंटे की भारी बारिश के कारण सामा इलाके की इस योगेश्वर सोसायटी में दोबारा बाढ़ आ गई. हालांकि गिरे हुए भुवा की मरम्मत के लिए जब ट्रैक्टर में जरूरी सामान आ रहा था तो आज भारी ट्रैक्टर सोसायटी में कम हुई जमीन से होकर गुजर रहा था.

तभी अचानक ठनका गिरने से ट्रैक्टर का एक पहिया फंस गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय वार्ड नंबर 2 के पार्षद भाणजी पटेल तुरंत मौके पर पहुंचे. हालांकि, इस एक और गिरावट को लेकर सुरक्षा कारणों से इलाके में शुरुआती चरण में बैरिकेड लगाकर सड़क को बंद कर दिया गया है.

साबरकांठा जिले को 3762.88 लाख रुपए सहित राज्य को 1014.14 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को साबरकांठा जिले की खेड़ब्रह्मा तहसील के नवी मेत्राल गांव के आर्डेकता इंस्टीटयूट में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि मूल निवासी के रूप में पहचाने जाने वाले आदिवासी सदियों से आध्यात्मिक रूप से प्रकृति के साथ-साथ बिरसा मुंडा की भी पूजा करते आए हैं। आदिवासी समाज के भव्य इतिहास और गौरवशाली संस्कृति, परम्परा तथा अस्मिता को बनाए रखने के एक भाग के रूप में हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंबाजी से लेकर उमरगाम तक बसे आदिवासी बंधुओं को पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी प्राथमिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सदैव प्रयासरत रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात को आदिवासी विकास के एक विशिष्ट मॉडल के तौर पर स्थापित किया है। अगस्त का महीना क्रांति का महीना है। मानगढ़ में गोविंद गुरु हो या पाल दढवाव में मोतीलाल तेजावत, स्वतंत्रता संग्राम के समय आदिवासियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

आदिवासी मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने, दोनों के बीच हमदर्द बनने की होड़

अहमदाबाद (ईएमएस) विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासी मुद्दे को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने आ गई हैं। भाजपा का दावाहैकिउसके शासन में आदिवासियों का जीवनस्तर काफी बेहतर हुआ हैं। वहीं कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि आज भी वन कानून का पालन नहीं हो रहा। दरअसल आज विश्व आदिवासी पर राज्य सरकार की ओर से प्रदेश भर के कई जिलों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्य में विश्व आदिवासी दिवस पर सहानुभूति की राजनीति भी तेज हो गई हैं। क्योंकि आदिवासियों के मुद्दे पर भाजपा और कांग्रेस ने एक दूसरे पर जुबानी जंग छिड़ गई हैं। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने मीडिया से बात करते हुए भाजपा सरकार पर तंज कसा। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा पारित वन संपत्ति कानून का आज भी पालन नहीं हो रहा हैं। इसे राजस्व कार्यालय में दाखिल तक नहीं किया गया। आदिवासी इलाकों में स्कूलों में शिक्षक भी नहीं हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल के बयान पर भाजपा नेता गोरधन झडफिया ने पलटवार किया हैं। गोरधन झडफिया ने कहा कि आदिवासी समाज के साथ सबसे ज्यादा अन्याय कांग्रेस ने किया हैं। हमारी भाजपा सरकार ने आदिवासियों को जमीन का मालिक बनाने का अधिकार दिया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को 50 साल में आदिवासियों की याद नहीं आई और अब गलत राजनीति कर लोगों में भ्रम फैलाने का काम कर रही हैं।

सावधान रहें कि डूब न जाएं: गणेश उत्सव से पहले गुजरात हाई कोर्ट ने जताई चिंता

9 अगस्त, 2024

गुजरात उच्च न्यायालय गणेशोत्सव परः गुजरात उच्च न्यायालय ने आगामी गणेशोत्सव को लेकर चिंता व्यक्त की है। हरणी नाव हादसे की स्वतः संज्ञान से सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने आदेश के साथ ही गणेशोत्सव के दौरान मूर्ति विसर्जन के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना से बचने के लिए सतर्क रहने को कहा है.

हाल ही में गुजरात उच्च न्यायालय ने गणेशोत्सव के दौरान डूबने की किसी भी घटना को रोकने के लिए सतर्कता बरतने का आदेश दिया है, जबकि उच्च न्यायालय ने यह सुनिश्चित करने के लिए चिंता व्यक्त की है कि गणेशोत्सव में मूर्ति विसर्जन के दौरान कोई दुर्घटना का शिकार न हो।

जहां हरणी नाव दुर्घटना में कई बच्चों की जान चली गई थी, वहीं गुजरात उच्च न्यायालय ने हरणी नाव दुर्घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए आगामी त्योहार गणेशोत्सव के दौरान भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन के दौरान डूबने से रोकने के लिए सावधानी बरतने का आदेश दिया।

अहमदाबाद-मुंबई नेशनल हाईवे पर बारिश के गड्ढों के कारण 5 कि.मी. लंबा जाम लग गया

अहमदाबाद,9 अगस्त,

मुंबई नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक जामः राज्य में बड़े पैमाने पर बारिश हो रही है. वडोदरा में गुरुवार शाम करीब 3 इंच बारिश हुई. इसी के चलते आज अहमदाबाद-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग पर जंबुवा ब्रिज की सड़क पर गड्ढे पड़ गए हैं. जिसके चलते आज सुबह से ही ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई।

पिछले कई दिनों से रोजाना सुबह-शाम जाम की समस्या हो रही है। जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। जरूरी काम से घर से निकले लोग जाम में फंसने के कारण समय पर नहीं पहुंच पाते। आज सुबह से ही अहमदाबाद-मुंबई हाईवे पर वाहनों की 5 किमी लंबी कतारें लग गई हैं। आए दिन ऐसे हालात बनने से ट्रैफिक समस्या सिरदर्द बन गई है।

जंबुवा ब्रिज पर हर बार मानसून के मौसम में भारी ट्रैफिक रहता है। जिससे आसपास की सोसायटी के लोग बाहर नहीं जा सकते। इसके अलावा आसपास स्कूल होने के कारण स्कूल बसें भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे उन्हें स्कूल पहुंचने में देर हो जाती है। स्थानीय निवासियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को भी पत्र लिखकर अपनी समस्या बताई है।

स्थानीय निवासियों ने विरोध करते हुए कहा कि जब जाम लगता है तो ट्रैफिक शाखा को फोन करते हैं तो गाड़ियां जल्दी नहीं आतीं. यदि आप घर से बाहर हैं, तो आप सोसायटी में प्रवेशनहींकर सकते हैं, और यदि आप घर में हैं और किसी आपात स्थिति में बाहर निकलने की आवश्यकता है, तो आप नहीं जा सकते। बीमारी जैसी आपातकालीन परिस्थितियाँ समाज से बाहर निकलने में बहुत समस्याएँ पैदा करती हैं। जाम के कारण सोसायटी की सड़क जाम हो गई है। इस मामले में इस समस्या के समाधान के लिए कोई उचित कार्रवाई की जानी चाहिए.

वडोदरा में बिना लाइसेंस सिक्योरिटी एजेंसी चलाने पर मैनेजर गिरफ्तार

वड़ोदरा,09 अगस्त

वड़ोदरा में बिना लाइसेंस के सिक्योरिटी एजेंसी चलाने वाले व्यवस्थापक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वडोदरा शहर पुलिस उन सुरक्षा गार्डों की जांच कर रही है जो पुलिस या सेना की वर्दी में काम कर रहे हैं। इस बीच चार दिन पहले सोल्जर सिक्योरिटी के मनोज यादव के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया था.

कल एसओजी पुलिस ने सामा रोड स्थित जय अम्बे रेस्टोरेंट में डयूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड की जांच की तो वह मैनेजर से लाइसेंस मांगता हुआ नहीं मिला। इसलिए, सहयोग सुरक्षा और मैनपावर के प्रबंधक वीरेंद्र भुवनेश्वर मिश्रा (साकार स्पेंडोरा टॉवर -2, मैरीलैंड पार्टी प्लॉट के पास, न्यू सामा रोड) के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सूरत में तिरंगा यात्रा की तैयारी चल रही हैः मुख्यमंत्री रविवार को तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे

सूरत,9 अगस्त,

5 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस से पहले 11 अगस्त को सूरत में 2 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा की तैयारी चल रही है. तिरंगा यात्रा वाई जंक्शन से लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम तक दो किलोमीटर के मार्ग पर निकलेगी। जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी शामिल होंगे. चूंकि मुख्यमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं, इसलिए प्रशासन की ओर से विशेष इंतजाम किये गये हैं. इस आयोजन को लेकर पिछले चार दिनों से बैठकों का दौर चल रहा है. कार्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले आज नगर आयुक्त और मेयर-सभापति ने रूट का दौरा किया और कई निर्देश दिये.

सूरत में रविवार 11 अगस्त को सूरत तिरंगे को रंगवा थंगानी के रूप में रंगा जा रहा है. सूरत में पिपलोद-डुमस रोड पर 2 किलोमीटर की भव्य तिरंगा यात्रा की योजना बनाई गई है। करीब एक लाख सूरतियों के शामिल होने का अनुमान लगाकर तैयारी की जा रही है. इस यात्रा को सफल बनाने के लिए सूरत नगर परिषद पिछले चार दिनों से काम कर रही है. कमिश्नर शालिनी अग्रवाल विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर रही हैं. इस तिरंगा यात्रा में एक लाख से ज्यादा सूरती शामिल होंगे और चूंकि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी परेड में शामिल होने वाले हैं, इसलिए नगर निगम प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं. आज गुरुवार को आयुक्त ने महापौर दक्षेश मवानी, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल से चर्चा कर सुझाव लिये. इसके अलावा देर रात मुनि. कमिश्नर ने रूट का दौरा भी किया।

मुख्यमंत्री तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करेंगे और वह भी यात्रा में शामिल होंगे. यात्रा वाई जंक्शन से शुरू होगी और लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम पर समाप्त होगी। मुख्य मंच के अलावा मार्ग पर कुल 12 प्रदर्शन मंच बनाए जाएंगे। जिसमें प्रथम मंच पर दिव्यांग बच्चे होंगे तथा दूसरे मंच पर विभिन्न प्रांतों एवं समाजों के कलाकारों द्वारा नृत्य कला प्रस्तुत की जायेगी। इस कार्यक्रम में शहर के सभी औद्योगिक संस्थान, शैक्षणिक संस्थान, कपड़ा उद्योग, हीरा उद्योग, चेंबर ऑफ कॉमर्स, प्रोफेशनल संस्थानों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे. पूरे कार्यक्रम के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के गणमान्य व्यक्ति और लोग अपनी क्षेत्रीय पोशाक में यात्रा में शामिल होंगे और दिखाएंगे कि सूरत मिनी इंडिया है। यह योजना भारत की विविधता में एकता लाएगी और यह विश्वास दिलाएगी कि सूरत का मतलब छोटा भारत है। यहां होगी तिरंगा यात्रा की मुख्य झलक - यात्रा वाई जंक्शन से शुरू होगी और लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम पर समाप्त होगी तिरंगा यात्रा का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल करेंगे और वह भी यात्रा में शामिल होंगे.

-तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को जीरो वेस्ट कार्यक्रम के रूप में आयोजित करने की योजना। कार्यक्रम के दौरान और कार्यक्रम के समापन के तुरंत बाद सभी व्यक्तियों के लिए पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था और सफाई अभियान की योजना बनाई गई है परेड में वायुसेना, नौसेना, थलसेना, एनसीसी, एनएसएस, पुलिस की प्लाटून मौजूद रहेंगी. मुख्य मंच पर मशहूर डांस ग्रुप उत्कृष्ट कला प्रस्तुत करेगा. देश के विभिन्न राज्यों से नेता और लोग अपनी क्षेत्रीय पोशाक में यात्रा में शामिल होंगे जो भारत की विविधता में एकता लाएगा और यह विश्वास दिलाएगा कि सूरत मिनी इंडिया है। तिरंगा यात्रा के मार्ग में सभी प्रकाश खंभों पर तिरंगे लगाने की योजना है और पूरे मार्ग के दोनों ओर बीआरटीएस रेलिंग/बैरिकेड्स पर तिरंगे की एक लंबी पट्टी लगाई जाएगी। वाई जंक्शन से लेकर लालभाई कॉन्ट्रेक्टर स्टेडियम तक तिरंगे की थीम पर लाइटिंग और ब्रांडिंग की जाएगी. मार्ग के दोनों ओरकीइमारतों पर तिरंगे उतारे जाएंगे। शहर के सभी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के अधिक से अधिक शिक्षकों/अभिभावकों को तदनुसार संगठित किया जाएगा। तिरंगा यात्रा को एक विशिष्टपहचान देने के लिए स्कूलबैंड,पुलिस बैंड, अन्य सांस्कृतिक समूहों को यात्रा में शामिल करने के लिए संगठित करना। शहर के सभी धार्मिक संगठनों के नेता, विभिन्न समुदाय के लोग अपनी पारंपरिक पोशाक में मौजूद रहेंगे परेड में 1 लाख लोग शामिल होंगे और उनके लिए पानी की व्यवस्था की जाएगी. 10 मोबाइल टॉयलेट होंगे। परेड में आगे स्केटिंग, साइकिल,बाइक समूह होंगे और उसके बाद पुलिस, स्कूल और व्होरा सोसाइटी बैंड होंगे। तिरंगा यात्रा में भाग लेने के लिए आने वाले नागरिकों के लिए यातायात पुलिस के समन्वय से पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था की गई है।

वडोदरा में रिटर्निंग दीवार गिरी, मुख्य जल लाइन टूटीः पानी की बर्बादी

वड़ोदरा 9 अगस्त

वड़ोदरा शहर में कल शाम हुई भारी बारिश के कारण कारेलीबाग के कसम आला कब्रिस्तान के पास चतुरभाई चाली में रिटर्निंग दीवार ढह गई और नीचे से गुजरने वाली मुख्य पेयजल लाइन भी ढह गई, जिससे हजारों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो गया। इस टूटी लाइन से नागरवाड़ा क्षेत्र में पानी की समस्या हो जाएगी। गौरतलब है कि छह साल पहले भी इसी दीवार के गिरने से एक महिला समेत कुछ घोड़ों की मौत हो गयी थी. हाल ही में दीवार गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

गौरतलब है कि कल शाम शहर में कुछ ही घंटों में तीन बार मूसलाधार बारिश हुई. इस बीच, कारेलीबाग कसम आला कब्रिस्तान के पास चिमनभाई चाली बारिश के कारण ढह गई। नतीजा यह हुआ कि नीचे से गुजर रही मुख्य पेयजल लाइन में मलबा आने से हजारों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो गया। यह लाइन नागरवाड़ा क्षेत्र में जाती है इसलिए वहां भी पानी की समस्या रहेगी। स्थानीय निवासियों ने टूटी हुई पेयजल मुख्य लाइन को जल्द से जल्द ठीक कराने की मांग की है.

वर्षों से अमेरिका में स्थायी हुई शिक्षिका गुजरात के शिक्षा विभाग से ले रही थी वेतन

बनासकांठा (ईएमएस) जिले की एक प्राथमिक स्कूल से चौंका देनेवाली घटना सामने आई हैं। वर्ष 2013 में अमेरिका स्थायी हो चुकी स्कूल की शिक्षिका गुजरात के शिक्षा विभाग से वेतन ले रही थीं। इस संदर्भ में स्कूल के अन्य शिक्षक और अभिभावकों की ओर से कई बार शिकायत की गईं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। फिलहाल शिक्षिका 1 जनवरी 2024 से छुट्टी पर हैं। घटना सामने आने के बाद शिक्षिका को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और उसके खिलाफ कार्यवाही करने की शिक्षा विभाग से सिफारिश की गई हैं। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की अंबाजी की पांछा प्राथमिक स्कूल की मुख्य शिक्षिका भावना पटेल अमेरिका का ग्रीन कार्ड धारी हैं। भावना पटेल करीब 10 साल पहले अमेरिका के शिकागो में स्थायी हो गई थीं। इसके बावजूद अंबाजी की पांछा प्राथमिक स्कूल में बतौर मुख्य शिक्षिका भावना पटेल का नाम चल रहा हैं। इतना ही नहीं शिक्षा विभाग की ओर से भावना पटेल को वेतन का भी भुगतान किया जा रहा हैं। भावना पटेल दिवाली के त्यौहारों पर एक बार गुजरात आती है, परंतु इस दौरान स्कूलों में छुट्टियां होती हैं। ऐसी स्थिति में भावना पटेल को ना तो बच्चे पढ़ाने पड़ते हैं और ना ही स्कूल जाना होता हैं। जिसे लेकर अभिभावकों और प्रभारी आचार्य ने कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों से पेशकश कीं। ताकि बच्चों की शिक्षा को हो रहे नुकसान को रोका जा सकें। बताया जाता है कि भावना पटेल की आखिरी हाजिरी 25 जनवरी 2023 को दर्ज की गई थीं।

रक्षाबंधन में भाई को विदेश में राखी भेजने के लिए डाक विभाग द्वारा अलग व्यवस्थाः विशेष कवर का उपयोग

वडोदरा, 9 अगस्त,

विदेश में रहने वाले भाई को समय पर राखी मिले इसके लिए पिछले वर्षों में डाकघरों के बाहर मंडप होते थे और वहां डाक लेने के लिए पांच से छह काउंटर रखे जाते थे। लेकिन अब वो दिन ख़त्म हो गए हैं अब डाक विभाग राखी भेजने का काम कर रहा है और विदेश में राखी भेजने के लिए उन्होंने डाकघर के अंदर ही अलग व्यवस्था की है जहां भीड़ इकट्ठा होती है।

गौरतलब है कि जो बहन अपने भाई की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए रक्षा सूत्र पर प्रार्थना करती है, वह पवित्र रक्षाबंधन का हर पल इंतजार करती रहती है। इस पवित्र त्योहार में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में विदेश में रहने वाले भाई को तय समय पर राखी मिल सके, इसके लिए पोस्ट ऑफिस सिस्टम विशेष कवर के साथ सुविधाएं मुहैया करा रहा है। इसके लिए डाकघरों में राखी भेजने के लिए काउंटरों पर लंबी लाइनें देखी जा रही हैं। रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त, सोमवार को श्रावण मास की पूर्णिमा पर पड़ेगा। परदेश में रह रहे भाई को समय पर राखी पहुंचाने की चिंता बहन को सताती रहती है। लेकिन राखी या विदेश भेजी गई कोई भी वस्तु आने में कम से कम 15 दिन का समय लग जाता है. डाकघर यह सुनिश्चित करता है कि विदेश भेजी गई कोई भी वस्तु बिना किसी असफलता के प्राप्त हो जाए। विदेश में रहने वाले भाई-बहनों के लिए रक्षाबंधन के मौके पर डाक विभाग की ओर से विशेष रक्षाबंधन कवर बनाए गए हैं। न्यूनतम 5 रुपये की कीमत वाले इन कवरों की काफी मांग रही है। यदि हल्के वजन की राखी डाकघर के माध्यम से भेजी जाती है तो डाकघर से रक्षाबंधन का विशेष कवर प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, डाकघर प्रणाली अप्रत्यक्ष रूप से भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार पर शुभकामनाएं देती है।

नए इनो 3-इन-1 में हैं इनो की शक्ति के साथ प्राकृतिक तत्वों जैसे जीरा, अजवाइन और काला नमक के गुण

हेलीऑन (तत्कालीन ग्लैक्सोस्मिथ क्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) द्वारा भारत के नंबर 1 ओटीसी एंटेसिड, इनो ने एसिडिटी से तेज़ और प्रभावशाली राहत के लिए इनो की शक्ति और असली जीरा, अजवाइन एवं काला नमक के गुणोंकेसाथ नया 3-इन-1 वैरिएंटलॉन्च किया है। इन नए वैरिएंट्स में इनो की शक्ति के साथ विश्वसनीय प्राकृतिक तत्वों के गुण हैं, जो 3बीमारियों - एसिडिटी, गैस और अपच से राहत प्रदान करते हैं।

3-इन-1 वैरिएंट के लॉन्च के बारे में हेलीऑन आईएससी में कैटेगरी लीड, डाइजेस्टिव हेल्थ, श्री किशलय सेठ ने कहा, "इन में हमारा मिशन ग्राहकों की बदलती ज़रूरतों के अनुरूप अपने उत्पादों में लगातार नए बदलाव करके उन्हें बेहतर बनाना है। नया इन 3-इन-1 वैरिएंट प्राकृतिक तत्वों और लाभकारी मसालों पर ग्राहकों के विश्वास की गहरी समझ के साथ बनाया गया है। हम की शक्ति के साथ इन प्राकृतिक तत्वों के गुण पेश करना चाहते थे ताकि पाचन की समस्याओं से तेज और प्रभावी राहत मिल सके। इस लॉन्च के साथ, हम एसिडिटी दूर करने का एक सरल और प्रभावशाली तरीका लाए हैं। साथ ही ब्रांड के उस भरोसे और विश्वसनीयता को भी मजबूत कर रहे हैं, जिसके लिए यह मशहूर है।"

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), वेस्टम रेलवे, छठी मंजिल, इंजीनियरिंग। विभाग.. मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400008, ई-निविदा सूचना संख्याः बीसीटी/24-25/127 दिनांक 07/08/2024 को आमंत्रित करता है। कार्य एवं स्थानः 1. दहानू रोडः आरपीएफ बैरक का निर्माण। 2. वलसाडः रेलवे स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का प्रावधान और नवीनीकरण। (विद्युत (विद्युत) कार्यों सहित समग्र निविदा)। लगभग। कार्य की लागतः रु.3,40,24,564.67. ईएमडीः रु.3,20,100.00। जमा करने की तिथि और समयः 03.09.2024,15:00 बजे तक। खुलने की तिथि और समयः 03.09.2024 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0437

हमें लाइक करें f facebook.com/westernRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96